Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

गत ८ जून २०१९ को कला मंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित भारत निर्माण अवार्ड के २६वें संस्करण में सम्मेलन को दीर्घकाल तक सामाजिक कल्याण की गतिविधियों हेतु सम्मानित किया गया। चित्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ भारत निर्माण अवार्ड के चेयरमैन श्री अशोक कलानौरिया से ट्राफी लेते हुए, साथ में प्रलिक्षित है सुप्रसिद्ध उद्योगपति समाजसेवी श्री रतनलाल अग्रवाल।

कोटा (राजस्थान) के जनप्रिय सांसद

श्री ओम जी बिरला

को लोकसभाअध्यक्ष निर्वाचित होने पर

सम्मेलन की हार्दिक बधाई!

संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) प्रतियोगिता में समाज के प्रतिभागियों का अभूतपूर्व प्रदर्शन, हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ!

झारखण्ड के सफल प्रतिभागी

श्री सुमित अग्रवाल
हजारीबाग

श्री प्रतीक जैन
राँची

श्री सौरव कुमार भुवानिया
दुमका

श्री विवेक मोदी
मधुपुर

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

RUPA®

FRONTLINE

Yeh aaram ka mamla hai!

APNA FRONTLINE
DIKHNE DO

www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR, BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM, VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆ जून २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०६
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** खाणो मां क हाथ को	७-८
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** साख है समाज की सबसे बड़ी विरासत	९
● **केन्द्रीय / प्रांतीय समाचार**	११-२३
● **आलेख** खाली पेट फलों का सेवन	२४
● श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की रचना का राजस्थानी अनुवाद	२७
● देव-स्तुति	२८
● **अतीत के पन्नों से : स्व. सीताराम सेकसरिया** वैवाहिक सुधारों का आन्दोलन	३१-३२
● **कविता-अनुवाद : डॉ. नीरज दइया**	३३-३४
● **कविता : पं. ताऊ शेखावाटी**	३४
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३५-४०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**
प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

सम्पादकीय बहुआयामी

समाज विकास का अग्रैल २०१९ अंक प्राप्त हुआ। लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में आपका संपादकीय बहुआयामी है, बधाई। पृष्ठ ८ पर आपने उल्लेख किया है कि "हमारे संविधान के अनुसार हमारा देश सम्पूर्ण प्रभुतासंपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य है।" भारतीय संविधान की प्रस्तावना अथवा उद्देशिका जिसे अंग्रेजी पाठ में प्रीऐम्बल कहा गया है, में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द नहीं है। सन् १९४९ के स्वीकृत संविधान में समाजवाद एवं पंथनिरपेक्ष शब्द नहीं थे। आपातकाल के पश्चात् ये दोनों शब्द उद्देशिका में संयुक्त किए गए थे। अंग्रेजी पाठ में जो सेक्यूलर शब्द है उसके लिए हिन्दी पाठ में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द है। धर्मनिरपेक्ष शब्द का संविधान में कहीं भी उल्लेख नहीं है। धर्म और पंथ में बहुत बड़ा अंतर है।

– **अरुण चूड़ीवाल**, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

'खाणो मां क हाथ को, चाहे जहर ही हो'

राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कई मायनों में विलक्षण एवं अप्रतिम रहा है। विभिन्न सूबों में बंटे होने के बावजूद राजस्थान क्षेत्र का जनजीवन ऊर्जा से परिपूर्ण रहा है। यहां के निवासियों की जीवनशैली रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों से जूझते रहने के कारण और भी निखर कर आया है। यहाँ का लोक जीवन, लोक गीत एवं संगीत, तीज एवं त्यौहार की समृद्धता राजस्थानी साहित्य में परिलक्षित होता है। राजस्थानी साहित्य इन विशेषताओ को संजोते हुए समाज को दिशा प्रदान करती है। शिक्षा के अवसर अपेक्षाकृत कम थे। जीवन के अनुभव ही सबसे बड़े शिक्षक होते हैं। इन अनुभवों का निचोड़ कहावत एवं लोकोक्तियों के रूप में समाज में प्रचलित हो जाता है। राजस्थानी भाषा का भंडार कहावतों एवं लोकोक्तियों मे समृद्ध हैं। यहाँ की धरती कहावतों से भरी पड़ी है। जिधर भी खोदिए कहावत रूपी अमूल्य धरोहर निकल आयेगी। कहावते एक सूझ होते है जो कि धीरे धीरे जांचपरख के बाद जनजीवन में प्रचलित हो जाते हैं। ये शब्द एवं छोटे छोटे वाक्य अनंतकाल तक जगमगाने वाले सितारे हैं। इन कहावतों की जननी मनुष्य के जीवन की विभिन्न परिस्थितियाँ होती हैं। एक विद्वान जिस प्रकार अपना पक्ष सम्पुष्ट करने के लिये वेद, गीता, रामायण का सहारा लेते हैं, एक साधारण व्यक्ति इन कहावतों के जरिये अपने तर्क को मजबूत करता है। राजस्थानी कहावते एवं लोकोक्तियाँ हमारे साहित्य, संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। इनका विपुल भंडार इस बात का द्योतक हैं कि सामान्य जन विभिन्न परिस्थितियों से गुजरते समय चैतन्यता के साथ उनका मंथन किया एवं मंथन के फलस्वरूप निकले निष्कर्ष को सोच समझकर न सिर्फ अपने जीवन के लिए थाती के रूप में व्यवहार किया बल्कि सदा के लिये, पूरे समाज के लिए उसकी स्थापना की। जैसे जैसे राजस्थानियों ने विश्व में अपना विस्तार किया, उनका साहित्य, संस्कृति, मुहावरे भी विस्तार पाते गये।

राजस्थानी साहित्य की गहराई एवं विपुलता में गोते लगाते हुए कुछ मोती मैने बांछे है, जिनको मै सभी पाठकों के साथ बांटना चाहूंगा। ये वो मोती है जो हमारे जीवन एवं समाज के मूल्यबोध का प्रतिनिधित्व करते हैं। हो सकता है कि कुछ पाठक इनमें से कुछ कहावतों से अवगत हों। फिर भी इन्हें एक सूत्र के रूप में हमारे जीवन में व्यवहार करने से हमारा जीवन सहज, सरल एवं उच्च मान से परिपूर्ण होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। मैं एक सूत्र मे पिरोये गये पांच सूत्र का उल्लेख करूंगा :

चालनो गैले गैले चाहे देर हो
बैठणो भाया को चाहे वैर ही हो
बात मोका की करनी चाहे फेर ही हों
छाया पेड़ की हो चाहे कैर ही हो
खाणो मां के हाथ को चाहे जहर ही हो।

सोचिये, इन बातों में कितना ज्ञान भर-पड़ा है। हारवर्ड एवं आक्सफोर्ड के समाजशास्त्रीजी इनकी पुष्टि करते हैं। मंजिल पाने के लिए जो पंथ हम अपनाते है वो महत्वपूर्ण है। येने केन प्रकारेण पाई गई सफलता टिकाऊ नही होती। मनमुटाव एवं वैमनस्य की स्थिति में भी भाईयों के साथ रहने पर संवादहीनता से वचा जा सकता है। भाइयों के बीच एक विशेष अंदरुनी भाव विद्यमान रहता है। साथ बैठने से गलत फहमियाँ दूर होने की संभावना बढ़ जाती हैं। मौके की बात, पेड़ की छाया एवं मां के हाथ का खाना पर भी जोर दिया गया है जिसका मकसद सुस्पष्ट हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण है –

पहलो सुख निरोगी काया
दूजो सूख घर मे हो माया
तीजो सुख कुलवंती नारी
चौथो सुख पुत्र आज्ञाकारी
पांचवो सुख सुंदर वासा
छठो सुख राज में पासा
सांतवों सुख संतोषी जीवन

ध्यान देने की बात है कि सर्वप्रथम सुस्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। इस का महत्व सर्वोपरि बताया गया है। कुलवंती गृहणी, आज्ञाकारी पुत्र, सुंदर वासस्थान एवं राज मे चलती के बाद अंत में कहा गया कि सब कुछ होते हुए भी संतोष नहीं हो तो सब कुछ व्यर्थ हैं। इन सात पंक्तियों में एक गंभीर जीवन दर्शन को व्यक्त किया गया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण कहावत है–

आलस नींद किसान ने खोवे
चोर न खोवे खांसी
मोटो व्याज मूल न खोवे
तिरिया न खोवे हाँसी

कहा जाता है कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नही होता। इसी बात को कह रहा है पहली पंक्ति। जो आलसी होगा वह आगे नही बढ़ पायेगा। किसान का हवाला दिया गया है, जिसे कठिन परिश्रम करना होता है। चोर को अगर चोरी करते समय

खांसी आ जाय तो घर का मालिक जाग जायगा। अगर उधार अधिक व्याज पर लिया दिया जाता है तो व्याज चुकाते चुकाते असली रकम पर ही असर आ जाता है। व्यापार का यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण वास्तविकता है जिसे हमारे पूर्वजो ने सैकड़ो वर्षों पहले ही समझ लिया था। अंत में कहा गया कि घर की गृहणी को मर्यादा में ही हंसी मजाक करनी चाहिए, उस प्रकार हम देख सकते है कि इन चार पंक्तियों में गूढ़ मतलब भरा हुआ है।

एक कहावत इस प्रकार है –

ओस का पाणी और झूठा की कहानी
बादल की छाया और चोरी की माया
घनी देर कोनी टिके।

बहुत ही सुंदर उपमाएँ प्रयोग में लाई गई हैं। ओस का पानी प्रातःकाल में घास-पत्तों पर गिरता है, पर धूप निकलते ही सूख जाते है। इसकी तुलना झूठे की कहानी से की गई हैं। झूठा अपनी कहानी कहता है, पर सच के सामने नही टिक पाता। दूसरी उपमा है कि कभी कभी सूरज के प्रकाश के बादल ढक जाता है। हम सभी जानते है कि बादल हवा के वेग से चलता रहता है। इस प्रकार बादल की छाया ज्यादा देर नही टिक पाता। उसी प्रकार गलत ढंग से कमाया हुआ धन ज्यादा दिनो तक नहीं टिक पाता।

एक अन्य कहावत है –

राजपूत रो घोड़े में
बानियो रो रोडे में
जाट री पलौडे में
धन जावैं

इसका मतलब स्पष्ट है। राजपूत का धन घोड़े खरीदने में खर्च हो जाता है। अगर बनिया (मतलब व्यवसायी) किसी झगडे में पड़ जाय तो उसके धन का ह्रास होता है। जाट का धन खाने में समाप्त हो जाता है।

इसी प्रकार का एक अन्य कहावत का जायका लीजिये:

खाणो मां को हाथ को
पाणी घड़ा को
ध्यान एक को
सलाह दो की
गावणो तीन को
चौकड़ी चार की
पंचायती पांच की

इसका अर्थ स्वतः स्पष्ट हैं। घड़ा में रखा हुआ पानी का विशेष महत्व है, जिसे इस कहावत में बताया गया है। ध्यान एक को का अर्थ है लक्ष्य की ओर सम्पूर्ण ध्यान रखकर काम करना चाहिए। सलाह दो ज्ञानी की ले ली जाय तो, गलती की संभावना नही रहतीं।

एक कहावत में परिहास के अंदाज में बाते कही गई जिसका आनंद लीजिये :

दूर जंवाई फूल बराबर
गांव जवाई आधो
घर जंवाई गधे बराबर
चाहे जिया लादो

राजस्थान में जंवाई का घर में बहुत महत्व रहता है, हम सभी यह जानते हैं। इस कहावत में कहा गया है कि दूसरे गांव या शहर में रहने वाले जंवाई तो फूल बराबर होते हैं। उनकी बहुत इज्जत होती है। जो जंवाई एक ही गांव या शहर में रहते हैं उनकी इज्जत आधी हो जाती है। कुछ जंवाई जो ससुराल में ही रहते हैं, उनकी उपमा गधे से की गई हैं। उनसे चाहे जो काम करवाया जाता है।

ये कहावते न केवल मानव को सीख देता हैं वल्कि जीवन में नीतिशास्त्र की तरह उपयोगी सिद्ध होता है। यह मानव जीवन के व्यवहार के आदर्शों को लिपिबद्ध करता है। राजस्थानी भाषा में ऐसे अनेकानेक कहावते है जो हमें परिवार, व्यापार, आपसी व्यवहार एवं जीवन की सच्चाईयों से रूबरू करवाता है। यह जानकारी राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं उसकी विशेषताओं में पाठको को परिचित करवाने के लिए प्रस्तुत की गई। राजस्थानी भाषा की बहुत सी कहावते हैं जो मौसम के बारे में भी अंतदृश्टि प्रकट करती है। अन्य किसी मौके उन पर विस्तार से चर्चा करने की कोशिश करुँगा।

शिव कुमार लोहिया

कैसा विरोधाभास!

जीवन में विरोध नहीं, वह विरोधाभासों का एक बड़ा जमघट है।

जो पाना चाहता है, वह दौड़ता-दौड़ता मर जाता है, उसे नहीं मिलता। पर जो देता है, वही पाता है। पाने की शर्त है – देना है।

जो झुकता है, वह ऊँचा उठता है। जो अकड़ कर रहता है, वह गिरता है। घमंड में दम ही फूलता है, फैलता नहीं। संसार छाया की तरह है, उस छाया को लेने दौड़ो, वह हाथ नहीं आती, आगे सरकती है उससे पीठ मोड़ो, वह पीछे-पीछे लगी रहेगी।

जिन लोगों ने कहा – 'यह संसार मेरा है, यहाँ खूब खाएंगे, पीएंगे, मौज करेंगे। उनको धूल बनाकर मिटा दिया।

जिन्होंने कहा – संसार नाशवान है, यहाँ घमंड कैसा।' उन्हीं विभूतियों को संसार ने अपनी स्मृति में संजोकर रखा।

जिसने कहा– 'मैं बड़ा हूँ।' इतिहास ने कहा– 'तू तुच्छ है।' जिसने कहा– 'मैं तो महापुरुषों के चरणों की धूलि हूँ।' इतिहास ने कहा–'तू महान है।'

– अक्षय चंद्र शर्मा

('वैचारिकी' से साभार)

अध्यक्षीय

'साख' है समाज की सबसे बड़ी विरासत

जुबान पर खरा उतरने की रही है पूर्वजों की परम्परा

– सन्तोष सराफ

राजस्थान, हरियाणा एवं मालवा क्षेत्र से निकल कर मारवाड़ी समाज न सिर्फ पूरे देश बल्कि विश्व के विभिन्न हिस्सों में प्रवास करता है। अपनी ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा, व्यवसाय-कुशलता एवं अध्यवसाय के बल हमारे पूर्वजों ने अप्रतिम सफलता पाई। **हमारे समाज का दृष्टिकोण एवं नजरिया बराबर "राष्ट्रीय एवं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय" का रहा है। हमारी प्राथमिकता बराबर राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रीय प्रगति रही है। मारवाड़ी ने कभी किसी प्रांत, क्षेत्र, जाति, धर्म विशेष की तरक्की की बात नहीं की है।** मारवाड़ी समाज जहाँ भी गया वहाँ का होकर रह गया। दूध में शक्कर की तरह घुलकर दूध को मीठा किया है। जहाँ-जहाँ मारवाड़ी गए हैं वहाँ के आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान किया है। समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन भी 'समरसता' पर विशेष जोर देती है।

अहिंसा, सहनशीलता, ईमानदारी, सात्विक आहार, परिवार-प्रेम, सहयोग एवं दानशीलता की भावना, ईश्वर पर विश्वास, कर्मठता, राष्ट्रप्रेम आदि मारवाड़ियों के पारम्परिक गुण माने जाते हैं। हमारे पूर्वज जब अपने घरों से, बिना किसी बड़ी पूँजी के, नये-नये जगहों पर जाकर बसे, स्थापित हुए, धन एवं मान-सम्मान अर्जित किया तब यही पारम्परिक गुण उनका सम्बल थे। इन्हीं के बल उन्होंने अपनी साख बनाई। कहा जाता है कि न्यायालयों के न्यायाधीश भी '**न खाता न बही, जो मारवाड़ी कहे सो सही**' के तर्ज पर मारवाड़ियों की बातों को वरीयता देते थे।

कालांतर में परिस्थितियाँ बदली हैं। मारवाड़ी समाज में ही नहीं, साधारणतया देश के सामाजिक-नैतिक मूल्यों में गिरावट आई है। धन का बोलबाला बढ़ा है। पैसा बोलता है। येन-केन-प्रकारेण धनार्जन ही एकमात्र लक्ष्य बन गया है। साधन चाहे जो हो, एकमात्र साध्य धन हो गया है। चाहे ऋण लेकर मुकर जायें, चाहे कपट-कुचक्र रचें, धन प्राप्त करना है। वस्तुतः धन की धुरी पर घूमना आज युगधर्म बन चुका है। हमारे अग्रसोची पूर्वज **स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी**, जो १९५४ से १९६२ तक सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, ने इन्हीं परिस्थितियों की परिकल्पना कर बहुत पहले ही आह्वान किया था, **"हमें टका धर्म को अलविदा कहना होगा।"**

यहाँ एक अन्य पहलू भी विचारणीय है। हमारे समाज में वैवाहिक आदि आयोजनों में अन्धाधुंध खर्च करने की प्रवृति घर कर गई है। जो सम्पन्न हैं उनकी बात तो समझ में आती है, हालाँकि उन्हें भी इससे बचना चाहिए, देखा यह जा रहा है कि साधारण वित्तीय स्थिति के समाजबंधु भी झूठी शानो-शौकत के लिए, चाहे कर्ज लेकर ही, अपनी क्षमता के बाहर खर्च कर रहे हैं – गरीब धनियों की नकल कर रहे हैं और धनी सेलिब्रिटी की। इस सम्बंध में, राँची में आयोजित सम्मेलन के नवें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री भंवरमल सिंघी** का कथन विचारणीय है – **"दहेज और दूसरी वैवाहिक रीतियाँ आज भी काफी दुःख और चिन्ता का कारण बनी हुई हैं। केवल दहेज की लालच ने ही नहीं, बल्कि आज तो विवाह के अवसर पर किए जाने वाले आडम्बर और दिखावे ने भी बहुत बड़ी समस्या पैदा कर रखी है।"**

हमारे समक्ष ऐसे अनेकों दृष्टांत हैं जहाँ पूर्वजों की साख के बल या भाईचारे के नाम पर करोड़ों की राशि लेकर लोग अपनी देनदारी से मुकर रहे हैं। अपनी प्रतिष्ठा के नाम पर फिजूलखर्ची करनेवाले अपनी प्रतिबद्धता का पालन नहीं कर पा रहे हैं। अपनी भूल से सबक न लेकर ये कीमती गाड़ियों में घूमते हैं और इनकी फिजूलखर्ची में कोई कमी नहीं आती। **ये अपनी प्रतिष्ठा के साथ-साथ पूर्वजों की कमाई साख पर भी प्रश्नचिह्न हैं और पूरे समाज की बदनामी का कारण।**

समय की माँग है कि इन्हें अनुशासन में लाया जाए। मुझे स्मरण है कि ऐसे व्यक्तियों को समाज से बहिषकृत कर दिया जाता था और उन्हें शर्मसार होना पड़ता था, ऐसा भी एक समय था। **मेरा यह मानना है कि अग्रणी समाजबंधुओं को न सिर्फ हस्तक्षेप कर बल्कि सक्रिय भूमिका निभाकर इस प्रवृति के निवारण एवं इसके परिणामस्वरूप हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा पर आघात को रोकने का हर सम्भव प्रयत्न करना चाहिए।**

जय समाज, जय राष्ट्र!

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब दो करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की

वार्षिक साधारण सभा

सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा आगामी १० अगस्त २०१९ (शनिवार) को अपराह्न ४ बजे से सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) में आयोजित की जाएगी।

सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ करेंगे।

सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

– श्रीगोपाल झुनझुनवाला
राष्ट्रीय महामंत्री

सम्मेलन के संगठन-विस्तार हेतु सतना में बैठक

सबके सामंजस्य से होगा समाज का सर्वांगीण विकास : पवन गोयनका

"समाज के हर तबके, महिलाओं-युवक-युवतियों, संस्थाओं, सभी को साथ लेकर, उनसे सामंजस्य रखकर ही समाज का सर्वांगीण विकास किया जा सकता है और यही अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का चरम लक्ष्य है।" ये विचार सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने गत ०२ जून २०१९ को **सतना, मध्य प्रदेश के डाली बाबा चौक स्थित मारवाड़ी सदन में** आयोजित एक बैठक में व्यक्त किए। सम्मेलन के संगठन-विस्तार के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में समाज की स्थानीय संस्थाओं – मारवाड़ी सेवा संघ, मारवाड़ी महिला मंडल एवं मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों–सदस्यों सहित अच्छी संख्या में समाज की महिलाएँ–पुरुष उपस्थित थे।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने मध्य प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा**, सतना मारवाड़ी सेवा संघ के अध्यक्ष **श्री श्रीकृष्ण माहेश्वरी**, पूर्व अध्यक्ष **श्री मुरलीधर गोयल**, समाजसेवी **श्रीमती मधु काशीरामका**, आदि के साथ दीप-प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मारवाड़ी सेवा संघ के मंत्री **श्री रामअवतार चमड़िया** ने स्वागत वक्तव्य दिया।

श्री पवन गोयनका ने अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के विषय में बताया और सभी उपस्थितों से सम्मेलन से जुड़ने और अन्यों को भी इसके लिए प्रेरित करने अनुरोध किया। प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा** ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने एवं समाज को संगठित करने की जरूरत हैं।

स्थानीय मारवाड़ी सेवा संघ के अध्यक्ष **श्री श्रीकृष्ण माहेश्वरी** ने सम्मेलन की उस पहल की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मारवाड़ी महिला मंडल की मंत्री **श्रीमती अपर्णा अग्रवाल** ने उपस्थितों को मंडल द्वारा प्रकाशित पत्रिका भायली एवं पत्रक नानी भायली भेंट की।

सतना की अग्रणी समाजसेवी श्रीमती मधु काशीरामका ने सामाजिक संगठन की उस पहल में धुरीय भूमिका निभाई और कार्यक्रम का संयोजन किया। साथ ही सतना एवं आस-पास के स्थानों के समाजबंधुओं को सम्मेलन से जोड़ने में वे अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। श्रीमती काशीरामका ने बताया कि **श्रीमती मंजु जोशी, श्रीमती बबिता मुरारका, श्री शारदा चमड़िया** आदि का सक्रिय सहयोग भी उन्हें इस सत्कार्य में प्राप्त हो रहा है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

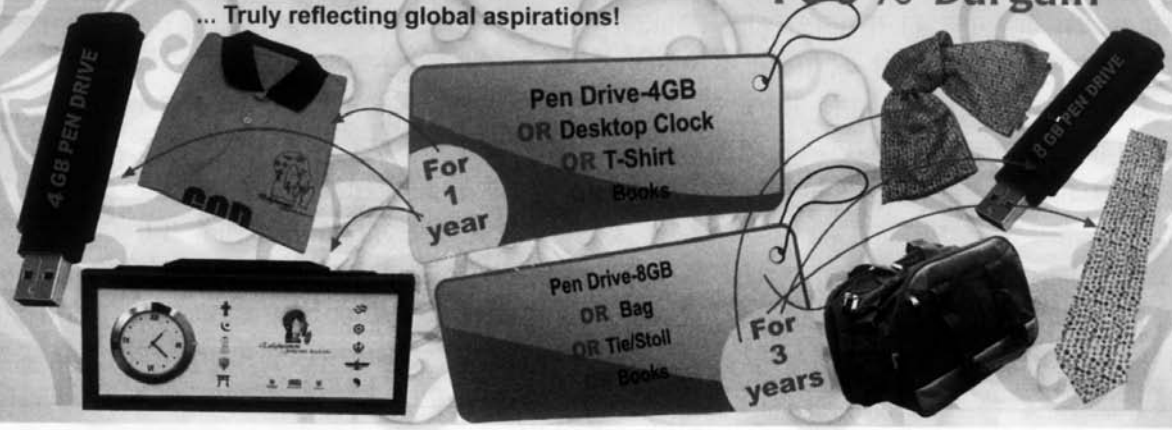

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR☐ Desktop ClockOR ☐ T-Shirt OR☐Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

भारत निर्माण अवार्ड : २६वाँ संस्करण

समाज कल्याण के कार्यों हेतु सम्मेलन हुआ सम्मानित

गत आठ दशकों से भी अधिक समय से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज सुधार एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत रहा है। **सम्मेलन के दीर्घकाल तक अनवरत प्रयत्नों को परिचिति देते हुए सुप्रसिद्ध भारत निर्माण अवार्ड के २६वें वार्षिक सम्मान समारोह में 'सामाजिक कल्याण की गतिविधियों' (सोशल वेलफेयर एक्टीविटीज) के लिए सम्मानित किया गया।**

गत ०८ जून २०१९ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में आयोजित एक अत्यंत भव्य समारोह में, भारी संख्या में महिलाओं–पुरुषों की उपस्थिति में **सम्मान स्वीकार करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि वे समाज के मनीषी पूर्वजों जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता प्रदर्शित करते हुए अपने समय की सोच से आगे बढ़कर सम्मेलन की स्थापना की और इसे सींचा तथा हजारों सक्रिय समाजसेवी कार्यकर्ताओं जिन्होंने सम्मेलन के झंडे तले विभिन्न प्रकार के आंदोलन चलाकर समाज सुधार के कई क्षेत्रों में विशिष्ट सफलता प्राप्त की, उनकी ओर से वे यह सम्मान स्वीकार कर रहे हैं।** उन्होंने भारत निर्माण अवार्ड के चेयरमैन **श्री अशोक कलानौरिया** एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

समाज के गौरव : बधाई!

लोकसभा के नये अध्यक्ष श्री ओम बिरला

वर्तमान लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन के उपलक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन श्री ओम बिरला को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ प्रेषित करता है। सम्मेलन का मानना है कि समाज के लिये यह गौरव का विषय है। श्री ओम बिरला निसंदेह समाज के गौरव है।

श्री ओम कृष्ण बिरला (जन्म: ४ दिसम्बर १९६२) राजस्थान से एक राजनीतिज्ञ और वर्तमान में कोटा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से दोबार सांसद निर्वाचित हुए। वे २००३, २००८ व २०१३ में १२वीं, १३वीं एवं १४वीं राजस्थान विधानसभा के सदस्य रह चुके है।

उपलब्धियाँ : वर्ष २००४ से २००८ तक राजस्थान सरकार में संसदीय सचिव रहते हुए गरीब, असहाय, गम्भीर रोगियों इत्यादि को राज्य सरकार से ५० लाख रु. के लगभग आर्थिक सहायता दिलवाई।

१५-१६ अगस्त २००४ को कोटा नगर में आई भयंकर बाढ़ के दौरान दिन रात बाढ़ पीड़ितों के बीच में रहकर राहत दल का नेतृत्व करते हुए पीड़ितों को बचाने, उन्हें आवासीय, चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में मदद की।

विभिन्न स्वयंसेवी, सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से कैंसर रोगियों व थैलीसीमिया पीड़ितों की मदद की। वहीं द्विव्यांगजनों को निःशुल्क ट्राई साईकिलें, मोट्राईज सायकल (बैटरी चलित), व्हील चेयर एवं श्रवण यन्त्र सहित आवश्यक सहयोगी उपकरण उपलब्ध करवाए।

बढ़ते प्रदूषण एवं घटती हरियाली को रोकने हेतु कोटा शहर में लगभग एक लाख पेड़ लगाने के लिए वृहद् "ग्रीन कोटा अभियान" चलाया।

विभूषित पद : वाईस चेयरमेन – राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लि. नई दिल्ली; चेयरमेन – राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लि. जयपुर; चेयरमेन – कोटा सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लि., कोटा;

डायरेक्टर – नेशनल कोल इंडिया लि. नई दिल्ली;

डायरेक्टर – नेहरू युवा केन्द्र नई दिल्ली;

संयुक्त सचिव – राज. वाणिज्य महाविद्यालय, कोटा (राज.); छात्रसंघ अध्यक्ष – राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुमानपुरा, कोटा।

सामाजिक सरोंकारों के प्रति प्रयास :

१. नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से सम्पूर्ण देश के ग्रामीण क्षेत्रों से खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन की वृहद् योजना बनाकर ग्रामीण प्रतिभाओं का विकास करने के अभियान का नेतृत्व किया।

२. राजस्थान के बारां जिले के सहरीया आदिवासी क्षेत्र में कुपोषण समाप्त करने के कार्य का नेतृत्व किया। साथ ही क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

३. २६ जनवरी २००१ को गुजरात में आये भयंकर भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ चिकित्सकों सहित लगभग १०० से अधिक स्वयंसेवकों के राहत दल का नेतृत्व करते हुए लगातार १० दिनों तक दिन-रात भूकम्प पीड़ितों की सहायता की तथा उन्हें खाद्य एवं चिकित्सा सामग्री वितरित की।

४. मृत प्रायः कोटा शहर उपभोक्ता भण्डार लिमिटेड को पुनर्जीवित कर नई कल्याणकारी योजनाओं का शुभारम्भ किया।

५. एक ही छत के नीचे सस्ते एवं अच्छे सामान आम जनता को उपलब्ध कराने की उपहार केन्द्र योजना का शुभारम्भ किया, जिससे राज्य में सहकारिता आन्दोलन को नये आयाम मिले।

६. निर्धन, असहाय एवं जरूरतमन्द व्यक्तियों के तन ढकने के लिए जनसहयोग से निःशुल्क परिधान उपहार केन्द्र की स्थापना की। जो लगातार चल रही है।

७. निर्धन, असहाय एवं जरूरतमन्द व्यक्तियों को निःशुल्क भोजन कराने हेतु सामुहिक प्रयासों से "प्रसादम" प्रकल्प की स्थापना की। जो लगातार चल रही है।

८. शहर की कच्ची बस्तियों में अस्थाई निवास करने वाले घुमन्तु जाति एवं निर्धन परिवार के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने हेतु जन सहयोग से बस्ती में ही "मेरी पाठशाला" के नाम से ट ीन शेड में पोर्टबल स्कूल स्थापित किया। सामाजिक सहयोग से संचालित मेरी पाठशाला के माध्यम से सेवानिवृत्त शिक्षकों, उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं के माध्यम से बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के साथ ही भोजन, कपड़े एवं बुनियादी सेवाऐं भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

९. तेरहवीं राजस्थान विधानसभा में अभी तक ५०० से अधिक प्रश्न पूछे तथा सदन में सार्थक बहस करके कम से कम ६ बार "सदन के सितारे" में नाम सम्मिलित किया गया।

इसके अतिरिक्त श्री विरला ने अनेक क्षेत्रों में राजनैतिक एवं सामाजिक कार्यों में अपना नेतृत्व प्रदान किया है।

अभिरूचि : राष्ट्र सेवा, समाजसेवा एवं निर्धन, असहाय, जरूरतमंद लोगों की विभिन्न माध्यमों से मदद करना।

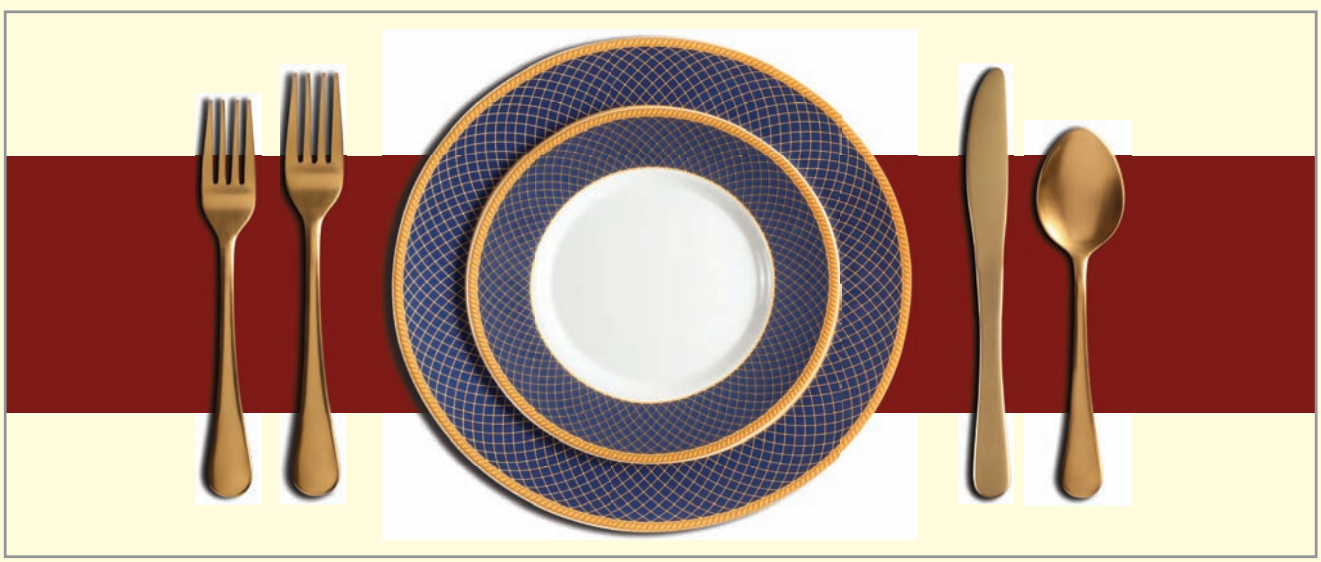

Diva®
from LA OPALA®

CLASSIQUE COLLECTION | IVORY collection | QUADRA COLLECTION | SOVRANA COLLECTION | COSMO collection

Registered Office
Chitrakoot, 10th Floor, 230 A, A J C Bose Road, Kolkata-700020
Ph: 76040 88814/15/16/17 | Email: info@laopala.in | www.laopala.in

With Best compliments From

Anzen Exports
&
Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

DEALER IMPORTER EXPORTER INDENTING AGENT FOR ALL KINDS OF ACTIVE PHARMACEUTICAL INGREDIENTS, PHYTOCHEMICALS, HERBAL EXTRACTS & ESSENTIAL OILS

KOLKATA

Anzen Exports

Regd. Office : 55/3D, Ballygunge Circular Road
Ground Floor, Kolkata-700 019, India

Admn. & Corres. Office :
157, Sarat Bose Road, 2nd Floor
Kolkata-700 026, India
20C, Hazra Road, 1st Floor, Kolkata-700 026, India
Tel : 91-33-2454 9650/51, 91-33-2454 8159
E-mail: info@anzen.co.in Web: www.anzen.co.in

MUMBAI

Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

205-206, Laxmi Plaza, Laxmi Industrial Estate
New Link Road, Andheri (W)
Mumbai - 400 053, India
P : +91 (22) 2635 4800 / 2635 4900
F: +91 (22) 6692 3929 / 2631 8808
Email: shubham@shubham.co.in

दिल्ली सम्मेलन की कार्यकारिणी की बैठक

केन्द्रीय दिल्ली में स्थापित होगा कार्यालय

प्रदेश अध्यक्ष चुनाव हेतु पवन गोयनका होंगे चुनाव अधिकारी

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक गत १६ जून २०१९ को दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, दिल्ली स्थित अणुव्रत भवन में प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** के सभापतित्व में आयोजित की गई।

कार्यसूची के अनुसार, दिल्ली सम्मेलन की कार्यकारिणी की गत बैठक का कार्यवृत पारित हुआ। महामंत्री **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** ने महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। सम्मेलन द्वारा किये गये कार्यों, संगठन-विस्तार में सदस्यों की संख्या (जो कि ३०४ से बठकर ४४६ हो गयी), दो नयी शाखाओं का गठन, आदि का सभी ने स्वागत किया व अधिकाधिक सदस्य बनाकर जल्द से जल्द सदस्य संख्या १००० करने का संकल्प लिया।

नये सदस्यों को सदस्यता प्रदान की गयी। गुड़गांव व नोएडा में नयी शाखा खोलने पर विशेष जोर दिया गया।

दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा किये गये कार्यों व सदस्यता विस्तार हेतु शाखाध्यक्ष **श्री वीरेंद्र बाजोरिया** एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री बसंत पोद्दार** को हार्दिक बधाई दी गयी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** एवं **श्री राज कुमार मिश्रा** ने श्री श्याम कथा व सामूहिक कन्या विवाह तथा होली के कार्यक्रम का लेखा-जोखा पेश किया।

प्रांतीय अधिवेशन व प्रतिभा सम्मान समारोह करने का निश्चय किया गया। प्रांतीय अधिवेशन हेतु **श्री सुरेश पोद्दार** को संयोजक बनाया गया। **दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के लिए कार्यालय केन्द्रीय दिल्ली में खरीदने का निर्णय लिया गया तथा उसका बजट लगभग २ करोड़ का रखा गया।** इसके लिए भूतपूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री पन्ना लाल बैद** की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के **प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया।**

बैठक में श्री पन्नालाल बैद, श्री बाबूलाल गोलछा, श्री अभय चिंडालिया, श्री सुपारसमल दुगड़, श्री गोपाल सुधार, श्री दीपांकर शर्मा, श्री नरेश खेतान, श्री सुभाष जैन, श्री कमल छाजेड़, श्री राजकुमार बागला, श्री आर एस बंसल, श्री सज्जन शर्मा, श्री अरुण सरावगी, श्री मोहित अग्रवाल ने भी अपने अपने विचार रखे।

श्री श्याम सुन्दर चमड़िया ने सभी समाजबंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान से सभा का समापन हुआ।

जो मनुष्य भौतिक इच्छाओं से उपर उठ चुका है, वह अमरत्व को प्राप्त कर चुका है।

– स्वामी विवेकानंद

पूर्वोत्तर सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक

आगामी प्रांतीय अधिवेशन डिब्रूगढ़ में होना तय

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) की कार्यकारिणी समिति की बैठक गत १६ जून २०१९ को खारूपेटिया शाखा के आतिथ्य में संपन्न हुई। सभा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें आगामी जुलाई में असम साहित्य सभा के साथ मिल कर जनगोष्ठी सम्मेलन का आयोजन करना प्रमुख है। इस हेतु श्री किशोर जैन के संयोजकत्व में चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सम्मेलन की डिब्रूगढ़ शाखा के आतिथ्य में आयोजित होने वाले १६वें प्रांतीय अधिवेशन की तिथि ४ व ५ जनवरी २०२० तय की गई। सम्मेलन के सभी आजीवन सदस्यों को प्रमाण-पत्र देने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सभापति मधुसूदन सीकरिया ने जानकारी दी कि सम्मेलन के इतिहास व उद्देश्यों पर आधारित पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. एस.एस. हरलालका द्वारा लिखी पुस्तक पूर्ण कर ली गई है। गत एक वर्ष में सम्मेलन की आजीवन सदस्यता में तथा नई शाखाओं के गठन में ही रही सराहनीय वृद्धि पर सभासदों ने अत्यंत खुशी जाहिर करते हुए सम्मेलन से जुड़ने के लिए सभी नवागंतुक सदस्यों का करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। जैसा कि विदित है पिछले छः महीने में ही लगभग १५०० समाजबंधुओं, जिनमे महिलाएँ भी शामिल हैं, ने सम्मेलन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की है। प्रांतीय कार्यकारिणी ने अपने समाज के उन सभी लोगों से जो अब तक भी सम्मेलन के सदस्य नहीं बन पाए हैं इस जून माह तक सदस्य बनने का आग्रह किया है। पिछले दिनों पूर्वोत्तर प्रादेशिक इकाई द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों में आपसी तालमेल व एकजुट ता बनाने के उद्देश्य से सभी वर्गों के पदाधिकारियों की एक सभा का आयोजन गुवाहाटी में किया गया था। उक्त सभा में प्रादेशिक स्तर पर सम्मेलन के अंतर्गत एक समिति का गठन किया गया था। आज की सभा मे पूर्वोत्तर प्रांत में स्थित सम्मेलन की सभी शाखाओं में भी उक्त समिति के गठन का निर्णय लिया गया जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की संस्थाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री पदेन सदस्य होंगे। आज की इस सभा में सम्मेलन के शिक्षाकोष के मंत्री अशोक अग्रवाल (सीए) ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षाकोष की तरफ से समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल विद्यार्थियों को उच्चशिक्षा हेतु वार्षिक १२०००/- की सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही राष्ट्रीय कार्यालय की तरफ से भी ऐसे होनहार बच्चों को आर्थिक सहायता दी जाती है। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के सभापतित्व में आयोजित इस सभा के प्रारंभ मे आयोजक खारूपेटिया शाखा के अध्यक्ष अशोक नागौरी ने स्वागत भाषण व खारूपेटिया समाज की महिलाओ ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। आगंतुक सभी अतिथियों को आयोजक शाखा की तरफ से फुलाम गमछा भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी ने गत सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिये सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अशोक अग्रवाल ने पिछली सभा के पश्चात संपन्न गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। प्रांतीय संगठन मंत्री कृष्ण कुमार जालान ने प्रत्येक शाखा के अनुसार सदस्यता-विस्तार की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। विभिन्न मंडल की रिपोर्ट के अंतर्गत तिनसुकिया के अशोक अग्रवाल, खारूपेटिया के अशोक नागौरी तथा बरपेटा रोड के बासुदेव माहेश्वरी ने अपने-अपने मंडल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। महिला शाखाओं की प्रांतीय संयोजिका कंचन केजरीवाल एवं पत्रिका संपादक किशोर जैन ने भी अपनी-अपनी प्रगति रिपोट सभापटल पर रखी। सभा में सभी आजीवन सदस्यों को प्रांतीय पत्रिका निशुल्क देने का भी निर्णय लिया गया। सभा में उपस्थित प्रांतीय सलाहकार नागरमल शर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष संजय कुमार मोर, प्रांतीय संयुक्त मंत्री के. आर. चौधरी एवं राकेश जैन, बंगाईगाँव से आए प्रांतीय सहायक मंत्री सरबजीत सिंह भारी, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य संपत मिश्रा ने भी विभिन्न चर्चाओं में अपने विचार प्रस्तुत किए। सभा के आयोजन हेतु संयोजक गणेश तोषनिवाल के नेतृत्व में खारूपेटिया शाखा ने अत्यंत ही सुंदर तरीके से सभी व्यवस्था की। इस अवसर पर खारूपेटिया समाज की दो महिलाओं को सम्मेलन की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई। सभा के अंत में खारूपेटिया शाखा की तरफ से मंत्री दीपक बैद एवं प्रांत की तरफ से प्रांतीय महामंत्री तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया ने यह समाचार प्रेषित किया है।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

संघ लोक सेवा आयोग प्रतियोगिता में सफल छात्रों का सम्मान

इस वर्ष संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठामूलक परीक्षा में झारखण्ड के २० प्रतिभागियों ने सफलता प्राप्त की। इनमें से निम्नलिखित ४ मारवाड़ी समाज के थे।

१. **सौरव कुमार भुवानिया, दुमका, ११३ रैंक**
२. **प्रतीक जैन, रांची, १६४ रैंक**
३. **विवेक मोदी, मधुपुर, १७९ रैंक**
४. **सुमित अग्रवाल, हजारीबाग, ४७१ रैंक**

झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत ५ जून २०१९ को संघ लोक सेवा आयोग में सफलता प्राप्त करने वाले दो मारवाड़ी युवकों को सम्मेलन के कार्यालय में सम्मानित किया गया। बाकी दो उपस्थित हो पाने में असमर्थ थे, इन्हें अन्य संभावित समय पर सम्मानित किया जायेगा।

सर्वप्रथम सफल प्रतोभागियों का पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया गया तत्पश्चात अंगवस्त्र से सुशोभित किया गया। तदुपरांत स्मृतिचिह्न भेंट कर सस्नेह सम्मानित किया गया।

प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने अध्यक्षता करते हुए उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन किया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** तथा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री भागचंद पोद्दार** ने सफल प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनायें दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाज के प्रति उनके दायित्व का बोध कराते हुए उनसे आशा की गयी कि वे समाज की छवि निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे साथ ही समाज के जो बच्चे संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल होना चाहते है, उनका यथासंभव मार्गदर्शन भी करेंगे।

अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि प्रायः हर समय समाज की सभाओं में यह बात उठती है कि समाज को राजनीति में भी अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। मेरे विचार में वस्तुतः समाज की मानसिकता और रुचि राजनीति में कम है। अगर अपने बच्चे संघ लोक सेवा आयोग में रुचि लें तो यह ज्यादा उचित होगा।

श्री प्रतीक जैन अपने पूज्य पिताजी एवं दादाजी समाजसेवी **श्री पदमचंद जैन** के साथ उपस्थित हुए। सर्वप्रथम उन्होंने सम्मेलन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। अपनी सफलता के लिए उन्होंने परिवार से मिले सहयोग एवं उत्साहवर्धन को प्रमुख बतलाया। उनके मित्रों ने भी उनकी हौसला आफजाई की। समाज के प्रति अपने दायित्व को उन्होंने स्वीकारा तथा समाज के बच्चों का मार्गदर्शन करने का भी आश्वासन दिया। समाजसेवी श्री पदमचंद जैन का भी अभिनन्दन किया गया। श्री प्रतीक जैन ने सी.ए. करने के बाद यह सफलता प्राप्त की है।

श्री सुमित अग्रवाल अपने अग्रज, अपनी पत्नी एवं अपने एक बच्चे के साथ हज़ारीबाग से पधारे। आपने पहले बी. टेक, फिर एम.बी.ए. करने के बाद यह सफलता प्राप्त की। सुमित अग्रवाल ने भी सम्मानित किये जाने पर सम्मेलन का आभार व्यक्त किया। समाज के प्रति अपने दायित्व के निर्वहन में वे सदा तत्पर रहेंगे ऐसे उद्‌गार उन्होंने रखे। आने वाली पीढ़ी को वे यथासंभव अपना मार्गदर्शन देंगे। प्रमंडलीय उपाध्यक्ष **श्री अरुण बुधिया** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सभा में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया, पूर्व उपाध्यक्ष धर्मचंद जैन रारा, रतनलाल बंका, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रवि शर्मा, उपमंत्री कौशल राजगढ़िया, विष्णु प्रसाद, महेंद्र जैन, उम्मेदमल जैन, संजय सराफ, कमल जैन, पवन शर्मा एवं अन्य समाजबंधु उपस्थित थे।

विदेशों में राजस्थान

लंदन में राजस्थानी जीमण, जमकर लगे दाल-बाटी-चूरमा के चटखारे

लंदन के उपनगर हैरो स्थित क्लारेमोंट हाई स्कूल का प्रांगण गत २३ जून २०१९ को एक छोटे राजस्थान में बदल गया। राजस्थानी पगड़ियों, कुर्ता-पायजामा, जैकेट पहने राजस्थान के सपूतों और अपने अप्रतिम सौन्दर्य की छटा बिखेरती पारम्परिक लहंगा-चूनड़ी और गहनों की चमक के साथ महिलाएँ खुशी से झूम रही थीं। यह अवसर था राजस्थान एसोसिएशन ऑफ यूके के तत्वावधान में आयोजित सालाना जीमण (भोज) का। इंग्लैंड के विभिन्न शहरों में बसे राजस्थानी हर साल लज़ीज राजस्थानी खाने के साथ, आपसी सौहार्द के साथ, अपने देश-प्रदेश की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं। इंग्लिस्तान की धरती पर जब दाल-बाटी-चूरमा, कैर-सांगरी, गोविन्द गट्टा, धेवर, जलेबी, दाल के हलुए की खुशबू फैलती है तब राजस्थानी लोग दूर-दराज से मीलों लम्बा सफर कर इस आयोजन में पहुँचकर मरुधरा की सोंधी खुशबू को शिद्दत से महसूस करते हैं। कार्यक्रम में राजस्थानी भोजन का जमकर लुत्फ उठाया गया। अपने देश से मीलों दूर, अपने घर से दूर, घर जैसा खाना खाकर लोग खुशी से झूम उठे।

कार्यक्रम में खाने के साथ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया। राजस्थानी नृत्य-गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने जीमण का स्वाद बढ़ा दिया।

इस अवसर पर भारतीय उद्योग के उप उच्चायुक्त चरणजीत सिंह, ब्रेंट के पूर्व मेयर भगवान चौहान, नेहरू सेंटर, लन्दन के उप निदेशक तरुण कुमार, कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया मनोहर लाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

प्रेरक-प्रसंग

'भूतपूर्व सैनिक'

एक 'अति सुंदर' महिला ने विमान में प्रवेश किया। उसने पाया कि उसकी सीट एक ऐसे व्यक्ति के बगल में है जिसके दोनों हाथ नहीं है। महिला को उस अपाहिज व्यक्ति के पास बैठने में झिझक हुई। उसने एयरहोस्टेस से सीट बदलवाने हेतु आग्रह किया। असहज हुये एयरहोस्टेस ने पूछा, 'मैम मुझे कारण बता सकती है?' उस महिला ने जवाब दिया, 'मैं ऐसे लोगों को पसंद नहीं करती और ऐसे व्यक्ति के पास बैठकर यात्रा नहीं कर पाऊँगी।'

दिखने में पढ़ी-लिखी और विनम्र प्रतीत होने वाली महिला की यह बात सुनकर एयरहोस्टेस अचंभित हो गई। महिला ने एक बार फिर एयरहोस्टेस से जोर देकर कहा कि मैं उस सीट पर नहीं बैठ सकती, अतः मुझे कोई दूसरी सीट दे दी जाय। पर कोई भी सीट खाली नहीं थी।

एयरहोस्टेस ने उस महिला से कहा, 'मैम इकोनोमी क्लास में कोई सीट खाली नहीं है, किन्तु यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। अतः मैं विमान कप्तान से बात करती हूँ। कृपया तब तक धैर्य रखें।' कुछ समय बाद लौटने के उपरांत उसने महिला को बताया, "मैडम! आपको जो असुविधा हुई उसका हमें बहुत खेद है। इस पूरे विमान में केवल एक सीट खाली है और वह प्रथम श्रेणी में है। मैंने हमारी टीम से बात की और हमने एक असाधारण निर्णय लिया। एक यात्री को इकोनोमी क्लास से प्रथम श्रेणी में भेजने का कार्य हमारी कम्पनी के इतिहास में पहली बार हो रहा है।"

सुन्दर महिला अत्यंत प्रसन्न हो गई, किंतु इसके पहले वह अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती और एक शब्द भी बोल पाती, एयरहोस्टेस उस अपाहिज व्यक्ति की ओर बढ़ गई और विनम्रतापूर्वक पूछा, 'सर, क्या आप प्रथम श्रेणी में जा सकेंगे क्योंकि हम नहीं चाहते कि आप एक अशिष्ट यात्री के साथ यात्रा करके परेशान हो।'

यह सुनकर सभी यात्रियों ने ताली बजाकर इस निर्णय का स्वागत किया। वह अति सुंदर दिखनेवाली महिला तो अब शर्म से नजर ही नहीं उठा पा रही थी। तब उस अपाहिज सैनिक ने खड़े होकर कहा, 'मैं एक भूतपूर्व सैनिक हूँ और मैने एक आपरेशन के दौरान कश्मीर सीमा पर हुए बम विस्फोट में अपने दोनों हाथ खोये थे। सबसे पहले जब मैंने इन देवीजी की चर्चा सुनी तब मैं सोच रहा था कि मैनें भी किन लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और अपने हाथ खोये...? लेकिन जब आप सभी की प्रतिक्रिया देखी, अब अपने आप पर गर्व महसूस हो रहा है कि मैने अपने देश और देशवासियों की खातिर अपने दोनों हाथ खोये।' इतना कहकर वे प्रथम श्रेणी में चले गये और 'सुन्दर' महिला पूरी तरह शर्मिंदा होकर सिर झुकाये सीट पर बैठ गई। लेकिन अगर विचारों में उदारता नहीं है तो ऐसी 'सुन्दरता' का कोई मूल्य नहीं है। दिल छूने वाली इस घटना से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

(संकलन : बी. नलिनी, सिकन्दराबाद)

समाचार सार

गत २२ जून २०१९ को कलामंदिर सभागार, कोलकाता में, उत्तर प्रदेश के विधानसभाध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित को कुमारसभा द्वारा प्रवर्तित डॉ. हेडगेवार प्रज्ञा सम्मान २०१९ से समादृत करते हुए पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी एवं उत्तरप्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक। अन्य परिलक्षित हैं बायें से सर्वश्री अरुणप्रकाश मल्लावत, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण भाला महावीर बजाज एवं श्रीमती दुर्गा व्यास।

गत १६ अप्रैल २०१९ को, चुनाव-प्रचार के दौरान सम्बलपुर में भाजपा के विजय संकल्प सम्मेलन में भाग लेने पहुँचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की आगवानी करते उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक जालान (बीच में); साथ में परिलक्षित हैं समाजसेवी डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल। श्री अशोक जालान ने प्रधानमंत्री को ओडिशा में मारवाड़ी समाज की स्थिति और ओडिशा के विकास में मारवाड़ियों की भूमिका के विषय में बताया जिसकी प्रधानमंत्री ने बहुत प्रशंसा की।

दिनांक ०१ जून २०१९ को मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटारोड महिला शाखा एवं मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटारोड शाखा ने संयुक्त रूप से कक्षा १०वीं एवं १२वीं के बच्चों का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. जवाहरलाल नहाटा, मुख्य वक्ता प्रो. कमल खेमका, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार नागरमल शर्मा, मंडल ज के प्रांतीय उपाध्यक्ष वासुदेव महेश्वरी, आदि ने भाग लिया।

खाली धड़ री कद हुवै, चैरै बिना पिछाण।
मायड़ भासा रै बिना, क्यां रो राजस्थान।।
– पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया

श्रद्धांजलि!

वित्त मामलों के विशेषज्ञ, साहित्यकार-समाजसेवी श्री नंदलाल शाह का बैकुण्ठवास गत २३ जून २०१९ को कोलकाता में हो गया। आप सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रतनलाल शाह के अग्रज भी थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

• • • • • • • • • • • • •

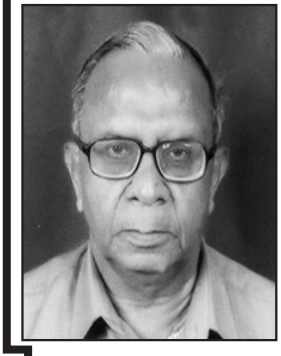

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजचिंतक श्री ओम लड़िया का बैकुण्ठवास गत १३ जून २०१९ को हो गया। आप लम्बे समय से सम्मेलन से जुड़े हुए थे और सामाजिक कार्यक्रमों में अत्यंत सक्रिय थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

खाली पेट फलों का सेवन दे भरपूर ऊर्जा

फल खाने का अभिप्राय फल खरीदने, उसे काटकर खाना है, ऐसी आमतौर पर लोगों की धारणा होती है, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। यह जानना ज्यादा जरूरी है कि हमें क्या खाना चाहिए और कैसे? भोजन के तुरन्त बाद फलों का सेवन करने की बजाय हमें खाली पेट फलों का सेवन करना चाहिए।

खाली पेट फलों का सेवन करना हमारे शरीर में उत्पन्न विषाक्त चीजों को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ हमारी ऊर्जा-जरूरतों को भी पूरा करता है। वजन घटने से रोकने में फल मददगार होता है, साथ ही दूसरी गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाता है।

फल भोजन का महत्वपूर्ण अंग है। चिकित्सकों के अनुसार ब्रेड के दो टुकड़े लेने के बाद हम फल के एक टुकड़े का सेवन करते हैं तो यह सीधा पेट से होते हुए अतड़ियों तक जाता है, जहाँ भोजन को एसिड में बदल देता है जिससे उसका पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाता है।

कई लोगों को आपने यह शिकायत करते सुना होगा कि जब वे तरबूज का सेवन करते हैं, उसके बाद पेट फूल जाता है और खट्टी डकारें आने लगती है, जब केले का सेवन करते हैं तो उन्हें टायलेट जाना पड़ता है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर हम खाली पेट में इन फलों का सेवन करते हैं तो हमें इस अवस्था से नहीं गुजरना पड़ेगा। खाली पेट फलों का सेवन करने से बालों में रूखापन, गंजापन, तंत्रिका तन्त्र सम्बन्धी रोग, आँखों के नीचे गहरे काले धब्बे होना जैसी समस्याएँ नहीं होती।

कई लोग भ्रांतियों के शिकार हैं कि नींबू, नारंगी जैसे फलों में एसिड पाया जाता है, लेकिन हम फलों के खाने के तरीके को जान जाएँ तो ऐसी समस्याएँ उत्पन्न नही होगी। फलों को सही तरीके से खाने से सौन्दर्य निखरता है, उम्र बढ़ती है, स्वास्थ्य ठीक रहता है, शरीर में ऊर्जा बनी रहती है, मन प्रसन्न रहता है और वजन भी नियन्त्रित रहता है। जब हमें फलों के जूस का सेवन करना हो, तो ताजे फल लेने चाहिए। ज्यादा गर्म किए हुए जूस का सेवन कभी नहीं करना चाहिए और न ही फलों को पकाकर उनका सेवन करें, इससे उनका पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाता है। ऐसा करने से सिर्फ स्वाद मिलता है, बाकी उसके सारे विटामिन नष्ट हो जाते हैं। फलों के जूस का सेवन करने की बजाय फल खाना ज्यादा हितकारी है। अगर आप जूस का सेवन कर रहे हैं तो बेहतर है कि जूस को मुँह में ज्यादा देर तक रखें, इससे सैलिवा आसानी से जूस में मिलता है और आपको कोई नुकसान भी नहीं होता। आप अगर चेहरे को कान्तिमय बनाना चाहते हैं तो तीन दिनों तक दिए गए फलों का सेवन करें साथ ही फलों के जूस को भी ठीक अन्तराल पर लें, आपको फर्क सामने नजर आ जाएगा।

फायदेमन्द है कीवी : छोटे किवी अच्छे होते है और इनमें पोटेशियम, मैग्निशियम, विटामिन ई और रेशा भरपूर होता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी नारंगी फल में पाए जाने वाले विटामिन का दोगुना होता है।

प्रतिरोधक फल है स्ट्राबेरी : यह एक प्रतिरोधक फल है। स्ट्रावेरी में किसी भी फलों से ज्यादा एंटी–ऑक्सीडेंट होता है जो कैंसर जैसे रोगों से हमारी रक्षा करता है, शरीर की रक्तवाहिनियों में प्रवाह ठीक रखता है और असमय बुढ़ापे से बचाता है।

ठण्डा फल तरबूज : तरबूज को ठण्डा फल कहा जाता है। इसमें ९२ प्रतिशत जल होता है साथ ही इसमें ग्लूथाथियोन की मात्रा अधिक होती है जो हमारे नर्वस सिस्टम को सुदृढ़ बनाती है। इसके अलावा तरबूज लाइकोपिन का स्रोत है जो कैंसर को बढ़ने से रोकता है, साथ ही इसमें विटामिन सी और पोटाशियम की भरपूर मात्रा होती है।

अमरूद और पपीता : इन फलों में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जिससे पाचन शक्ति अच्छी होती है और यह भोजन को सुपाच्य बनाने में सहायक है। अमरूद में रेशा भी होता है, जबकि पपीता में कैरोटिन की मात्रा ज्यादा होती है। इन दोनों फलों का सेवन आँखों के लिए काफी अच्छा होता है।

हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार अगर फलों के सेवन के बाद हमारे शरीर में एसिड बनने लगे तो हमें तुरन्त सावधान होना चाहिए। रोजाना ८-१० ग्राम अधपका हुआ चावल लें। इसे नाश्ते अथवा खाने के पूर्व प्रातःकाल अच्छी तरह से चबाएँ। फिर थोड़ा पानी का सेवन करें। ऐसा २१ दिनों तक लगातार करें अगर आप ऐसा करते हैं तो आपके शरीर में तीन महीनों के भीतर एसिडिटी की समस्या खत्म हो जाएगी। एसिड के स्तर में कमी की वजह से आप दिनोंदिन बेहतर महसूस करने लगेंगे। कॉलस्ट्राल की वजह से लोग उच्च तनाव और हृदय रोग के शिकार हो जाते हैं। यह आज के जीवन में आम समस्या है जिसकी वजह से उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियाँ होने लगती हैं।

रोजाना खाएँ सेब

एक सेब रोजाना खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं। हालाँकि सेब में विटामिन सी की मात्रा कम होती है, लेकिन इसमें एंटी ऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनायड्स होता है जो विटामिन सी की सक्रियता को बढ़ाता है और कोलोन कैंसर, हृदयाघात और स्ट्रोक जैसे खतरों से हमें बचाता है।

इसको रोकने के लिए हम सुपारी जिसमें सुगंधित पदार्थ न हों, उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसके बाद खाने के बाद एक टुकड़ा २०-४० मिनट तक चबाएँ। फिर थूक के जरिए इन टुकड़ों को फैंक दें। जब आप सुपारी को चबाते है तो यह सैलिवा में मिलकर जूस उत्पन्न करता है जिसके जरिए रक्त प्रवाह सुचारू रूप से कार्य करता है। जब रक्त का प्रवाह तेज होता है तो यह उसके प्रवाह को कम करता है जो रक्तचाप घटाने में सहायक है। रक्तचाप को घट ाने के लिए हम मेथी अथवा फेनुग्रीक बीज का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए ८-१० बीज मेथी का लेकर उसे खाने से पूर्व पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। फिर नाश्ते के समय इसका सेवन करें। इसका सेवन रक्तचाप को नियन्त्रित करने में सहायक है।

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
  - **Radiology**
    - Digital X-Ray
    - Ultrasonography
    - Colour Doppler Study
  - **Cardiology**
    - ECG
    - Echo-Cardiography
    - Echo-Colour Doppler
    - Holter Monitoring
    - Treadmill Test (TMT)
    - Pulmonary Function Test (PFT)
  - **Neurology**
    - EMG
    - NCV
    - EEG
  - **Gastro Enterology:**
    - UGI Endoscopy
    - Colonoscopy
- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475

98300 19073

Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.
Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.
Over 72,000
entrepreneurs empowered.
Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.
Kanoria
Foundation
WORK WITH DEVOTION
SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com
Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited
INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की रचना का राजस्थानी अनुवाद

(प्रस्तुत अंश श्री त्रिपाठी की पुस्तक 'जख्मों पर शबाब' का है। अनुवाद डॉ. जेबा रशीद ने किया है, जिन्हें सम्मेलन द्वारा 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान - २०१३' से नवाजा जा चुका है।)

मूल	राजस्थानी
इश्क़ की कुरबानियाँ सज़ा नहीं होतीं उस राह पर रवानियाँ क़ज़ा नहीं होतीं कदमों को बढ़ा कर जो वापस ले लेते हैं उन पर जुनून-ए-इश्क की कहानियाँ नहीं होती।	इसक री कुरबानियां सजा नीं होवै उण उण रास्ता में अबखाइयां कज़ा नीं होवै कदमा नै बढ़ाय नै जिका पाछा ले लेवै है उणां माथै जुनून-ए-इसक री कहाणियां नीं होवै।
शमां तो जलती है दूसरों की रौशनी के लिए उसकी लौ में परवाने को ही जलना आया जल-जल के शमां भी इज़हार-ए-मोहब्बत करती परवाने को देख उसको भी पिघलना आया।	समा तौ जळै है दूजां नै रोसनी देवण वास्तै उणरी लौ में परवाना नै ई जळणौ आयौ जळ-जळ नौ समा ई इजहार-ए-मोबत करै परवाना नै देख उणनै ई पिघळणौ आयौ।
तनहाइयों के दौर की अब तो क़ज़ा है बेहतरीन ख्वाबों की ये हसीन सज़ा है ज़िन्दगी को मिल गया आयाम इक नया अंजाम क्या मिलेगा ये उसकी रज़ा हैं	तन्हाइयां रै दौर री अबै तौ कजा व्है बेहतरीन सुपनां री आ हसीन सजा व्है जिंदगी नै मिळ गयी अेक ठौड़ नुवी अंजाम कांई मिलैला आ उणरी रजा है।
सज़दा भी यहीं है औ' शिकायत भी यहीं है जुल्म भी यहीं औ' इनायत भी यहीं है कैसे दिखायें चीर कर सीने को अपने हम उल्फ़त भी यहीं है औ' हिदावत भी यहीं है।	सिजदौ ओ ई है अर ओळवौ ई, औ इज है जुल्म ई औ ईज, अर इनायत है आ इज है कीकर दिखावा चीर' र काळजौ आपणौ म्हां मोबत आ ई है अर हिदायत ई जा इज है।
एक समुन्दर है एक कश्ती है तेरी बनाई हुई सब हस्ती है मौजों पे झूमते हुए कहती है ये हर दिन ज़िन्दगी की हर साँस तेरे करम से चलती है।	अेक समन्दर है अेक कस्ती है थारी बणाई पूरी हस्ती है लैरां माथै झूमता कैवै है अै हर दिन जूण री हर सांस थारै करम सूं चालै है।
यह मौत भी है क्या कि मयस्सर नहीं हुई गर्दिश-ए-अयां में भी रहबर नहीं हुई मंज़िल बदल दी मैंने तेरे रुख़ को देखकर इकद लम्हे मुहब्बत में डगर ही बदल गई।	आ मौत ई है, क्यूंकै मयस्र नीं होवै गरीबी में ही रहबर नीं कोई होवै ठौड़ बदळ दी म्हैं थारै रूख नै देख'र अेक लम्हो मोबत में डगर ई बदळ ग्यौ।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

सूतउवाच

सर्वात्मनः समदृशो हृदयस्यानहङ्कृतेः।
तत्कृतं मतिवैषम्यं निरवद्यस्य न क्वचित्।।

आप पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् हैं, इस कारण से प्रत्येक के हृदय में विद्यमान हैं। आप सबों पर समान रूप से दयालु हैं और भेदभाव के मिथ्या अहंकार से सर्वदा मुक्त हैं। अतएव जो कुछ आप द्वारा घटित होता हैं, वह भौतिक उन्माद से मुक्त होता है। आप समदर्शी हैं।

श्रीभीष्म उवाच

ललितगतिविलासवल्गुहास–
प्रणयनिरीक्षणकल्पितोरूमानाः।
कृतमनुकृतवत्य उन्मदान्धाः
प्रकृतिमगन् किल यस्य गोपवध्वः।।

मेरे मन की एकाग्रता उन भगवान श्रीकृष्ण में हो, जिसकी आकर्षक चाल, मुग्ध करनेवाले कृत्य, मधुर मुस्कान, प्रेम भरी चितवन तथा अत्यन्त महिमावान विचारधारा ने ब्रजधाम की गोपियों को आकृष्ट कर लिया। जब रास लीला से भगवान् श्रीकृष्ण के अन्तर्धान हो जाने पर आनन्द में पागल हुए गोपिकाओं ने भगवान् की लाक्षणिक गतियों का अनुकरण किया।

तमिममहमजं शरीरभाजां
हृयदि हृयदि धिष्ठितमात्मकल्पितानाम्।
प्रतिदृशमिव नैकधार्कमेकं
समाधिगतोऽस्मि विधूतभेदमोहः।।

अब मैं भगवान श्रीकृष्ण का पूर्ण एकाग्रता से ध्यान कर सकता हूँ, जो इस समय मेरे समक्ष हैं, क्योंकि अब मैं प्रत्येक के हृदय में, यहाँ तक कि शुष्क चिन्तकों के हृदय में भी रहनेवाले उनके प्रति द्वैत भाव की स्थिति को पार कर चुका हूँ। वे सबों के हृदय में रहते हैं। भले ही सूर्य को भिन्न-भिन्न प्रकार से अनुभव किया जाय, किन्तु सूर्य तो एक ही है।

सूतउवाच

नताः स्म ते नाथ सदाङ्घ्रिपङ्कजं
विरिञ्चवैरिञ्च्यसुरेन्द्रवन्दितम्।
परायणं क्षेममिहेच्छतां परं
न यत्र कालः प्रभवेत् परः प्रभुः।।

हे भगवान आपके चरणकमल में सर्वदा नतमस्तक करता हूँ, आप ब्रह्मा, उनके चारों कुमार तथा स्वर्ग के राजा इन्द्र देव जैसे समस्त देवताओं द्वारा भी पूजित हैं। इस जीवन का सर्वोच्च लाभ उठाने के लिए इच्छुक लोगों के परम आश्रय हैं। आप परम दिव्य भगवान् हैं और प्रवल काल भी आप पर अपना प्रभाव नहीं दिखा सकता।

भवाय नस्त्वं भव विश्वभावन
त्वमेव माताथ सुहृत्पतिः पिता।
त्वं सद्गुरूर्नः परमं च दैवतं
यस्यानुवृत्या कृतिनो बभूविम।।

हे ब्रह्मांड के स्रष्टा, आप हम सबों के कल्याण के लिए बने हैं, आप निश्चय ही हमारे माता, पिता, शुभचिन्तक, प्रभु, आध्यात्मिक गुरु तथा परम पूज्य देव हैं। जिसके चरण-चिह्नों पर चलते हुए हम सफल हुए हैं।

अहो सनाथा भवता स्म यद्वयं
त्रैविष्टपानामपि दूरदर्शनम्।
प्रेमस्मितस्निग्धनिरीक्षणाननं
पश्येम रूपं तव सर्वसौभगम्।।

ओह, यह तो हमारा सौभाग्य है कि हम आपके द्वारा बनाये गये और आपके संरक्षण में आ गये, क्योंकि आप देवताओं को भी बहुत कम दिखाई पड़ते हैं। आपके स्मितमुख स्नेहपूर्ण चितवन जो सौन्दर्य से भरा है उस दिव्य रूप का दर्शन करना हमारे लिए सर्व-सौभाग्यशाली है।

विरचय मयि दंडं दीनबन्धो दयामी वा
गतिरिह न भवत्तः काचिदन्या ममास्ति।
निपततु शतकोटिनिर्भरं वा नवाम्भः
तदपि किलपयोदः स्तूयते चातकेन।।

हे भगवान् चाहे आप दया दिखायें या दंड दें, लेकिन इस जगत में आपके अतिरिक्त अन्य कोई नहीं, जिसका मैं आश्रय लूँ। जैसे चातक पक्षी सर्वदा बादल के लिए ही प्रार्थना करता है, चाहे वह वृष्टि करे या बिजली गिरा दे।

ISO 9001 Certified
ORR TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

With Best compliments From

M/s. A. P. Credit Pvt. Ltd.

3/1, Dr. U. N. Brahmachari Street

Kolkata-700017

Ph: 033-22871221/1224

वैवाहिक सुधारों का आन्दोलन

– सीताराम सेकसरिया

विवाह संस्था की स्थापना और उसमें होने वाले परिवर्तनों का एक इतिहास है। विवाह का जो रूप आज हमारे सामने है वह अनेक युगों के परिवर्तनों के बाद बन सका है; तथापि भारत जैसे विशाल देश में आज भी विवाह की अनेक प्रणालियाँ प्रचलित हैं। भिन्न-भिन्न देशों, समाजों और जातियों में विवाह की अनेक विधियाँ, अनेक रूपों में, नाना तरह से काम में लाई जाती हैं। विवाह सहजीवन का सोपान है, मनुष्य के विकास में सहायक है। वह पुरुष और स्त्री दोनों के लिये समान रूप से आवश्यक है, परन्तु विवाह के सम्बन्ध में स्त्री की अपेक्षा पुरुष को अनेक तरह की सुविधायें समाज ने दी है और इनके कारण अनेक तरह की विकृतियाँ वैवाहिक जीवन में पैदा होती रही हैं एवं समाज को अस्वस्थ बनाती रही हैं। इसलिए समाज को स्वास्थ्य प्रदान करने के उद्देश्य से समय-समय पर वैवाहिक सुधारों के आन्दोलन होते रहे हैं।

पिछले पचास-साठ वर्षों में मारवाड़ी समाज में विवाहों को लेकर जो आन्दोलन हुए, वे उस समय बहुत महत्वपूर्ण माने गये। उनको क्रांतिकारी भी कहा गया था। पर आज वे आन्दोलन चलाने वालों में जो लोग वर्तमान हैं, उनको भी आश्चर्य होता है कि क्रांतिकारी तो क्या, उन छोटे-छोटे सुधारों के लिए भी कितनी बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ा था। आज वे सुधार तुच्छ लगते हों, पर उन दिनों बहुत महत्वपूर्ण माने गये थे।

विवाह के तीसरे दिन प्रातः चार बजे करीब भण्डार होती थी जिसका एक इतिहास था। वह भण्डार बन्द हो गई, उसका कोई महत्व नहीं रहा। पर उसे बन्द कराने के लिये वर्षों तक आन्दोलन हुआ और तब बड़ी मुश्किलों से वह बन्द हो सकी। इसी प्रकार अनेक रीति-रिवाजों के नाम से कितने ही नेग होते थे जिनमे से कुछ बन्द हो गये। तब भी आज अनेक नेग ज्यों के त्यों विद्यमान हैं। दहेज प्रथा का आम तौर से विरोध हो रहा है। हर तरह के लोग इसे बुरा बताते हैं। किन्तु दहेज प्रथा को जीवन प्रदान करने वाले नेगों को बन्द करने की बात पर लोग छींकते हैं। नेगों को छोटा करना मान भी लें, पर उनको पूरा-पूरा बन्द करने की बात स्वीकार नहीं करते। जब तक ये नेग-जोग और रीति-रिवाज बने रहेंगे तब तक दहेज प्रथा का बन्द होना या विवाहों में मूलभूत सुधार होना असम्भव सा है।

एक समय था जब दस-बारह वर्ष के लड़की-लड़कों का विवाह होता था। लड़के-लड़की की उम्र में भी विशेष अन्तर नहीं रहता था। कई विवाहों में तो लड़की की उम्र लड़के से अधिक भी होती थी। **मारवाड़ी अग्रवाल महासभा का द्वितीय अधिवेशन सन् १९२० में बम्बई में हुआ। इसमें सुधार विचार के लोगों ने एक प्रस्ताव रखा कि विवाह के समय लड़के की उम्र सोलह वर्ष और लड़की की उम्र बारह वर्ष से कम न हो।** इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध हुआ और महासभा का छोटा सा वह पौधा नष्ट होने की बात आयी। सुधार-विचार के लोगों ने ही महासभा को जन्म दिया था जिसके मुखिया स्वर्गीय जमनालाल जी बजाज थे। वाद-विवाद में रात के दो बज गये तो जमनालालजी ने प्रस्ताव में एक संशोधन रखा कि विवाह के समय लड़के की उम्र सोलह वर्ष से कम न हो, पर किसी भाई को आपत्ति हो तो वह ग्राम पंचायत की आज्ञा लेकर बारह वर्ष के पूर्व भी लड़की का विवाह कर सकता है। इस संशोधन को विरोधी पक्ष के लोगों ने भी स्वीकार कर लिया। प्रस्ताव स्वीकार होने पर कुछ मित्रों ने लक्ष्मीनाथजी की मूर्ति को साक्षी देकर (जिस स्थान पर महासभा हो रही थी) यह प्रतिज्ञा की कि आज से हम लोग सोलह वर्ष से कम उम्र के लड़के और बारह वर्ष से कम उम्र की लड़की के विवाह में सम्मिलित नहीं होवेंगे। प्रतिज्ञा करने वालों में प्रायः सबलोग कलकत्ते के ही थे जिनकी संख्या १७-१८ रही होगी। यह आन्दोलन कलकत्ते में एवं अन्य स्थानों में महासभा की शाखाओं द्वारा जोरों से लगाया गया और बाल-विवाह के विरोध में एक जोरदार जागरण बनाने की कोशिश की गई। बाल-विवाह होने वाले स्थानों पर जाकर काले झंडों का प्रदर्शन भी किया गया। बाल-विवाह रोकने में यह आन्दोलन बहुत प्रभावशाली रहा। बाल-विवाहों में सम्मिलित न होने की प्रतिज्ञा करने वालों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घटनायें तो ऐसी भी घटीं जब भाई बहन के यहाँ भात तक भरने नहीं गया। अनेक स्थानों पर नजदीक से नजदीक लोगों के घरों पर विवाह के समय काले झण्डों का प्रदर्शन करने से कुछ कटुता भी बढ़ी। पर यह आन्दोलन बराबर चलता रहा। **आन्दोलन के संचालकों में मुख्य तीन आदमियों के नाम दिये जा सकते हैं–स्वर्गीय भाई पदमराज जी जैन, बसन्तलालजी मुरारका और रामकुमार जी जालान।** आन्दोलन के साथ-साथ बाल-विवाह के विरोध में कानून बनवाने का प्रयत्न भी किया जा रहा था। **स्वर्गीय विट्ठलभाई पटेल व डॉ. गौड़ ने इस विषय में प्रस्ताव रक्खे थे पर वे प्रस्ताव फिरती लेने पड़े। इसी प्रकार स्व. भाई रंगलालजी जाजोदिया जब सेंट्रल एसेम्बली के मेम्बर थे तो उन्होंने भी इस विषय में एक बिल रक्खा था जो बहुत कमजोर होने पर भी विरोध के कारण फिरती लेना पड़ा।** ऐसा करते करते अन्त में शारदा कानून पास हुआ। इस कानून के पक्ष में, विपक्ष में अनेक सभायें हुई थीं। पुराने विचार के लोगों ने बहुत ही जोरों का विरोध किया था। पर अनेक वर्षों के आन्दोलन से परिस्थिति बदल चुकी थी और वह शारदा कानून का रूप धारण कर सका। **बिल पास हो जाने पर भी इसे कार्य रूप में परिणित करने के लिये तथा कानून भंग करने वालों के विरुद्ध मामला चलाने के लिये आन्दोलन चलाना पड़ा।** आज शारदा कानून में दी गई उम्र से कहीं अधिक उम्र के लड़के-लड़कियों का साधारणतया विवाह होने लगा है। बाल-विवाह प्रायः खत्म हो चुका है। पर इसको खत्म करने में यह कहा जा सकता है, एड़ी-चोटी का पसीना एक करना पड़ा है। इससे सावित होता है कि उन दिनों साधारण सुधार करने भी कितने कठिन थे।

इसी प्रकार महासभा में वृद्ध-विवाह के सम्बन्ध में एक प्रस्ताव रक्खा गया कि चालीस वर्ष से अधिक उम्र वाले आदमी कुंवारी लड़की से विवाह न करें। विरोधियों ने कहा कि यह विधवा-विवाह का गुप्त प्रचार है। उन दिनों विधवा-विवाह का नाम लेना बहुत मुश्किल बात थी। प्रस्ताव इस रूप में स्वीकार किया गया कि चालीस वर्ष से अधिक उम्र का आदमी पुनःविवाह न करे। इस प्रस्ताव को लेकर भी बहुत ही बड़ा आन्दोलन हुआ। वृद्ध-विवाहों की खोज रखना, वैवाहिक स्थानों पर स्वयंसेवकों का पहरा बैठाना, वर को घर से बाहर न आने देना, यहाँ तक कि लड़की को विवाह-स्थान से उठाकर ले जाना और विवाह-मंडप में जबर्दस्ती घुस कर विवाह रोक देना, आदि अनेक तरह के प्रयत्न हुए। मामले भी चले। काफी हैरानी, दिक्कत और खर्च करने पर भी उस समय इसमें बहुत कम सफलता प्राप्त हो सकी। पर इसका यह परिणाम जरूर हुआ कि लोकमत तैयार होता गया और बाल-विवाह व बृद्ध-विवाह के विरूद्ध विवेक जागृत होने लगा। आहिस्ते-आहिस्ते आज बाल-विवाह व वृद्ध-विवाह का सवाल समाज से प्रायः उठ सा गया है।

ऐसा तो नहीं कह सकते कि समाज के साधारण वर्ग को उस समय के विवाहों की अपेक्षा आज के विवाहों से कोई बहुत बड़ी राहत मिली है, पर विवाहों के ढंग और तरीके में एक प्रकार की तबदिली अवश्य हुई है जिसको थोड़ी आधुनिकता कहा जा सकता है, जैसे एक दिन में विवाह के सारे कार्य सम्पन्न हो जाना, सजनगोठ में आदमियों का कम जीमना। पहले विवाहों के समय बारातों में शामिल होने की होड़ सी होती थी। लड़के के घर के लोग रास्ते की मोड़ों पर आगे बढ़ कर खड़े हो जाते थे जिससे आँखों की शर्म से लोग बारात के बीच से न जा सकें। समधी के घर तक हर आदमी पहुँच सके इसका पूरा प्रयत्न होता था। जब दो बारातें एक ही रास्ते में आमने-सामने आ जाती तब यह प्रश्न खड़ा हो जाता कि कौन बरात पहले पास करे। अक्सर इन बातों को लेकर बड़े झगड़े होते, खास कर सूतापट्टी और हरीसन रोड़ में यह झंझट अधिक होता क्योंकि समाज में बड़े माने जाने वाले लोगों की बारातें इन दो रास्तों से अवश्य गुजरती। हम लोगों ने स्वयंसेवक बनकर इन बड़े रास्तों से बारातों को पास कराने का काम किया है और हमारे इस काम की प्रशंसा भी हुई है। पर हमें खुद को आज उस स्थिति का विचार कर के आश्चर्य होता है।

पर्दा प्रथा के विरोध का आन्दोलन तो कल की ही बात है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के १९४७ के अधिवेशन ने इसे स्वीकार किया था। अगले वर्ष ही कलकत्ते की सड़कें विवाहों के अवसर पर काले झण्डों और सत्याग्रह के नारों से गूँज उठीं और समाज के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने पर्दे से होने वाले विवाहो में शरीक न होने की प्रतिज्ञाएँ कर इस तरह के विवाहों से असहयोग करना प्रारम्भ कर दिया। इसका फल यह हुआ कि आज कलकत्ता में पर्दे से विवाह बहुत ही पिछड़े वर्ग में होते हैं। यह हवा चारों ओर फैलने लग गई है और धीरे-धीरे पर्दा समाज से गायब होता जा रहा है। इसमें स्त्री-शिक्षा, स्त्रियों की जागरूकता आदि को काफी बल मिलने लगा है।

इस तरह के अनेक सुधार हुए हैं जिनसे कुछ सहूलियत मिली है और सुविधायें हुई हैं पर मूल समस्या आज भी प्रायः उन्हीं रूपों में विद्यमान है। साधारण जनता को आज भी रूढ़ियों, रीति-रिवाजों, नेग-जोगों, दहेज आदि आदि के कारण काफी कष्टों और दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पर यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि विवाहों में सुधार हुए हैं और वे सुधार इस युग की पुकार हैं। गत कुछ वर्षों से समाज में अनेक ऐसे विवाह हुए है जिनमें रीति-रिवाजों, नेग-जोगों और दहेज आदि का बिल्कुल बहिष्कार किया गया हैं, कतिपय सुधारवादी मित्रों और साथियों ने अपनी लड़की-लड़कों के विवाह के समय क्रांतिकारी कदम उठाये हैं और दो ढाई घंटे में विवाह के समस्त कार्य सम्पन्न हो गए हैं, इसके पहले या बाद में कोई भी रीति-रिवाज नहीं किए गए। एक दिन का विवाह तो एक तरह से साधारण सी बात होती जा रही है। अतः कहा जा सकता है कि वैवाहिक सुधार काफी दूर तक आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन समाज की बड़ी संख्या आज भी रूढ़िग्रस्त है और वह विवाह आदि अवसरों पर नाना तरह के रीति-रिवाजों की शिकार होकर विवाह को खर्चीला और बोझिल किए हुए है।

सुधार आन्दोलन का अपना एक इतिहास हैं। **श्री हरि लाल मुरारका स्मृति-ग्रन्थ में** इस आन्दोलन का इतिहास अनेक रूपों में अनेक विद्वानों द्वारा लिखा गया है। इस लेख में छोटे से छोटे रूप में मारवाड़ी समाज के वैवाहिक सुधारों का दिग्दर्शन कराया गया है। इस लेख में विधवा-विवाह आदि की बात, जो वैवाहिक सुधारों से सम्बन्धित है, यों हो छोड़ दो गई है क्योंकि मारवाड़ी समाज में विधवा-विवाह कैसे-कैसे आरम्भ हुआ, किन परिस्थितियों में हुआ और उसमें क्या-क्या दिक्कते और कष्ट हुए, यह एक अलग अध्याय है। इसका जिक्र इसमें करने पर लेख बहुत बड़ा हो आता। मुख्य बात इतना ही है कि आज के पचास वर्ष पहले समाज में विवाह जिन नियमों-रीतियों से होता था, जिस स्थिति और जिस उम्र में होना था, उनमें काफी परिवर्तन हुआ है। यह परिवर्तन लाने में उस जमाने के लोगो ने अथक परिश्रम किया है? उनको जिन मुसीबतों और जिस विरोध का सामना करना पड़ा वह आज कल्पना के बाहर की बात है। कई बार ऐसा लगता है कि उस समय जो आन्दोलन किये गये उनमें खोदा पहाड़ और निकली चूहिया; पर उस समय पहाड़ खोद कर चूहिया निकालना ही बहुत बड़ी तथा आवश्यक बात थी। उन आन्दोलनों की सफलता का स्पष्ट उदाहरण यह है कि उस समय पंचायतों (पुराने विचारों के लोगों के संगठन) और सुधारकों (नये विचार के लोग) में तीव्रतम संघर्ष होते रहे; यहाँ तक कि आंदोलन को रोकने के लिये जाति-बहिष्कार आदि का प्रयोग भी किया गया। पर परिणाम यह हुआ कि आज पंचायत और जाति-वहिष्कार आदि को नाम तक नहीं रहा। जो लोग सुधार-विरोधी आन्दोलन के मुखिया थे, उनके घरों में वे सुधार दाखिल हो गये। आज हम परस्पर प्रेम से साथ बैठते हैं, खाते-पीते और काम करते हैं। आन्दोलन के साथ उन घरों के लोगों की महानुभूति है जिन्होंने उस समय अधिक से अधिक विरोध किया था। यह विजय नहां है, परिवर्तन है, युग की पहचान है, समय का तकाजा है, उपयोगिता है। समाज के हित में आगे आने वाले युग में जो सामाजिक क्रांति जन्म ले रही है उसका हमें स्वागत करना चाहिये। आज समाज द्रुतगति से बदल रहा है। हम जिस अणु युग से गुजर रहे हैं, उसमें कितनी विकराल क्रांति छिपी है, यह कहना मुश्किल है। अणु का जिस दिन मानवहित के लिये उपयोग होने लगेगा, उस दिन आज के सारे माप, सारे विनिमय-पथ पदल जायेंगे। **इसलिये आज के युवक के सामने यह प्रश्न है कि वह जागृत रहे, क्रियाशील रहे और होने वाले परिवर्तनों के अनुकूल बने। यही समाजसुधार के आन्दोलन की पृष्ठभूमि है, यही समाज-सुधार की बुनियाद है।**

('समाज विकास' के दिसम्बर १९६०-जनवरी १९६१ अंक से)

अंबा

हिंदी अनुवाद
डॉ. नीरज दइया

मूल राजस्थानी रचना
डॉ. अर्जुन देव चारण

काशीराज की तीन पुत्रियों को उनके स्वयंबर से भीष्म हरण कर ले आए। वे उनका विवाह अपने भाइयों से चाहते थे। पर उन में से एक पुत्री अंबा ने उन्हें बताया कि वह तो किसी अन्य से प्रेम करती है और इस स्वयंबर में वह उसका वरण करने वाली थी। तब भीष्म ने अंबा को अपने प्रेमी के पास वापस भेज दिया। अंबा को उसका प्रेमी स्वीकार नहीं करता है। अंबा दुविधा में भीष्म के पास आती है पर भीष्म उसका विवाह अपने भाइयों से कराने से मना करते हैं। अंबा स्वयं भीष्म से विवाह का प्रस्ताव रखती है पर भीष्म ने तो आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया हुआ है।

अंबा अपने साथ हुए इस अन्याय का दोषी भीष्म को मानती हैं। वह अन्य राजाओं से भी अनुरोध करती है, पर भीष्म से लड़ने को कोई तैयार नहीं होता। तब वह अपने हाथों की वरमाला को राजा द्रुपद के दरवाजे पर टंगा देती है और महेन्द्राचल पर्वत पर जाकर चिता बनाकर स्वयं को भस्म कर देती है।

बह वरमाला राजा द्रुपद की बेटी शिखंडी बाल्यकाल में अपनी शरारतों में अनजाने अपने गले में पहन लेती है। वही शिखंडी कालांतर में भीष्म को मारता है। शिखंडी के बाणों को भीष्म ऐसे स्वीकार करते हैं जैसे वे अंबा की वरमाला के फूल हों, और इस भांति वे अपनी गलती का पश्चाताप कर रहे होते हैं। यह कविता इसी पूरे प्रसंग को पकड़ने का प्रयास है।

फूलों-फूलों
छिपी हुई
अग्नि की लपटें
डोरी में बंटी हुई
प्रत्यंचा
कमान की
पुष्पहार नहीं होती
वह
होती है साक्षात मृत्यु
तुम्हारे हाथों का
ऐसा दुष्कर भार
कौन धारण करता।

जाने किस क्षण-पल
रचा काल
परिचित गले के इंतजार में
अंगुलियां में
करवटें बदलता रहा।

भुजाओं के बल
वह नामचीन योद्धा
उठाकर
ले गया तुम्हे,
वरण को
हरण में ढाल
परोसने लगा
दूसरो के आगे।

तुम
नहीं रोयी थी
उस दिन
रोया था पुष्पहार
रोया था मार्ग
रोया था समय
उस गीली जमीन
गर्व का रथ
प्रीत को कुचलता
बनाता
जीत के चिह्न
निकल गया
धर्म-ध्वजा लहराते हुए।

कितने हाथों के आगे
फैले थे
दो हाथ,
कितने मार्गों चढ़े-उतरे थे
दो पैर
पर गूंगा होकर
बैठ गया
पूरा संसार,
कुम्हुलाते रहे पुहुप
सांसों के रंग रंगे जाने को
सीमाएं लांघती रही खुशबू
बंधी हुई
कसमसाती रही

मुक्ति के लिए
घर की प्रतीक्षा में
टंगी रही
बड़े दरवाजे पर।

तुम्हारे भाग्य में
लिखा था मार्ग
चलना... चलना... चलना...
मार्ग के भाग्य
लिखी हुई थी आशा
इंतजार... इंतजार... इंतजार...
आशा के भाग्य
रेखांकित था समय
मौन... मौन... मौन...
समय
आशा
मार्ग
सदा रहते हैं जीवंत
भेष बदलते हैं
जन्म लेने वाले
जीने वाले
जाने वाले
उनके भरोसे
परिवर्तित होती है आशा
आशा के कारण मार्ग
मार्ग के कारण समय
हे सदा सौभाग्यवती

हे अकन कुंवारी
कुदरत ने स्वयं दिया
तुम्हें मां का नाम
तुम्हारे बालों के बीच की रेखा ने
पूरे संसार को
कुमकुम बांटा
तूम्हारी सुरंगी हथेलियों
धरती ने रचाया
मेहंदी-रंग
तुम्हारी आंखों की
रक्तिम लालिमा से लोहित हुआ समुंद्र।

हृदय में संजोये
एक आशा
तुमने
बैर को
किसी बच्चे की भांति पाला-पोसा
क्रोध से सजी-संवरी
दुतकारती मनुष्य जाति को

प्रज्ज्वलित कर अग्नि
हो गई एकमेक।

अनजानी
वह कुंवारी
अपनी शरारतों से
कर लिया
धारण तुम्हारे पुष्पहार को
बैर को
मार्ग मिला,

पहचानता था
वह बूडा
खुशबू
कभी बूढ़ी नहीं होती
नहीं होती
कभी
बूढ़ी प्रीत
उस कुंवारी के

बाण
वह हंस-हंस सीने पर झेलता रहा
अनजाने में
हो गया था उससे पाप
स्वीकारते हुए
करना था पश्चाताप
खुशबू की मुक्ति में
उसकी मुक्ति थी।

वे बाण नीं थे
फूल थे
वरमाला के
रूप बदल कर
ढूंढ़ लिया था आसरा
हरण को
वरण में बदल कर
इस भांति
खुशबू मुक्त हुई।

पारिवारिक हास्य व्यंग्य

साळाहेली

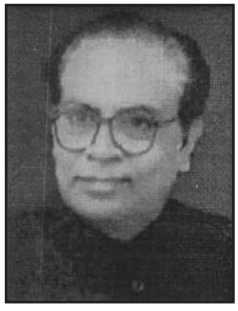

– पं. ताऊ शेखावाटी

सासरिए में सुख चावो तो
मेरा यारो! इक काम करो
सासू अर सुसरै स्यूँ पैल्याँ
साळाहेली रो मान करो

सासू सुसरा कै दिन रा है
साळी सासरिए जावैली
साळाहेली ही जीवण में
आखिर तक आडी आवैली

साळाहेली सासरिए में
होवै ताळी हर ताळै री
बीं री 'हाँ' या 'नाँ' पर निरभर
होवै हाँ या नाँ साळै री

सारा रिस्ता है मतलब रा
कोई नहिं लागै कोई रो
सब स्यूँ प्यारो रिस्तो होवै
साळाहेली–नणदोई रो

साळाहेली सुख सरिता री
जींवण में धारा होवै है
जीं रै होवै साळाहेली
बै किसमत हाळा होवै है

साळी चाए कितणी भी हो
पण के होवै जी! होणै स्यूँ
"फूंफोजी" तो बण पावोला
साळाहेली रै होणै स्यूँ

जो बात है साळाहेली में
बा बात कठै है साळी में
जो बात है वै'ती नंदी में
बा बात कठै है नाळी में

साळी तो लागै सक्कर सी
पत्नी जाणै गुड़ की भेली
जो लागै मिसरी सी मीठी
बा होवै है साळाहेली

साळी है खरचै री मसीन
हरदम खरचो करवावै है
सीधै मुंडै बोलै कोनीं
नखरो भी घणो दिखावै है

ब्याह् पाछै कुछ दिन ताणी तो
पत्नी भी मीठी बात करै
पण कुछ दिन पाछै बा कच-कच
जींवण भर दिन अर रात करै

पण साळाहेली तो हरदम
देख्यों नणदोई हरसावै
मीठी–मीठी बातों करकै
रस प्रेम सदा ही बरसावै

धिक्कार इयाँ रै जींणै में
जे सासरिए रै माँ कोई
आ कैवण हाळी भी न मिलै
आवो जी प्यारा नजदोई!

साँवरिया मेरी सादी रो
जोगाड़ लगाणै स्यूँ पैली
आ देख लिए सासरिए में
होणी चाए साळाहेली

नहिं तो क्वांरो ही चोखो हूँ
मन्नैं सादी कोनीं करणी
खाली पत्नी रै सुख खातिर
आ आफत सिर कोनीं धरणी

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री महेश सोंथलिया हेरिटेज श्रीजन टावर १८८बी, मानिकतल्ला मेन रोड, कोलकाता	**श्री सतीश कुमार अग्रवाल** ४, गणेश चन्द्र एवेन्यु बेसमेंट, रुम नं.-१ कोलकाता	**श्री राहुल सिंघानियाँ** आशिर्वाद, ६७, विधान पार्क, द्वितीय तल, बारानगर, कोलकाता	**श्री अरूण कुमार खण्डेलिया** मे. के. अरूण एण्ड कं. ८, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता	**श्री निर्मल कुमार मित्तल** राधा कृष्ण अपार्टमेंट करटास रोड, धनबाद झारखंड
श्री बिनोद कुमार तुलस्यान मानसरोवर, जोड़ाफाटक रोड धनबाद, झारखंड	**श्री शारद कुमार लुहारुका** ओ-४०३, सिटी सेन्टर एल.सी.रोड,धनबाद झारखंड	**श्री अनुज कुमार सराफ** सिटी सेन्टर धनबाद एल. सी. रोड, धनबाद झारखंड	**श्री रविन्द्र कुमार पटानियाँ** राठौड़ मेक्शन, प्रथम तल बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित डालमिया** एल. सी. रोड, हीरापुर धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप गोयल मे. श्रीदेश्वर मार्केटिंग सर्विस एल. सी. रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री शंकर दयाल बुधिया** रतन जी रोड, पुराना बाजार धनबाद, झारखंड	**श्री बिमल कुमार चौधरी** ५, विनायक भवन, कटरास रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री संतोष कुमार जालान** मे. शारदा स्टोर, राजगंज रोड, कटरासगढ़, झारखंड	**श्री राहुल गोयल** १०१, लवकुश अपार्टमेंट श्रीराम वाटिका, धनबाद झारखंड
श्री मनोज कुमार जिंदल मे. महावीर इण्डस्ट्रीज सिंदरी, धनबाद, झारखंड	**श्री नवनीत केजरीवाल** फ्लैट नं.-३/१, मेघा टावर हीरापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** मे. गणपति, हनुमान मेन्शन कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** राजगंज रोड, गुहीबंध कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री विवेश कुमार अग्रवाल** मे. मोबेल फर्नीचर लूबी सर्कुलर रोड, धनबाद झारखंड
श्री संतोष कुमार लोढ़ा ओ-४०५, सिटी सेन्टर एल. सी. रोड, धनबाद झारखंड	**श्री राम प्रसाद** मे. मित्तल पॉलीपैक्स प्रा. लि. कटरास रोड, मटकुरिया धनबाद, झारखंड	**श्री रवि शंकर राजोरिया** मे. श्री गणेश ट्रेडिंग कं. टेक्सटाईल मार्केट, चास झारखंड	**श्री रविन्द्र दधिच** मे. हिन्दुस्तान सप्लायर्स बाई पास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री ललीत परवारी** मे. गोपाल प्लाईवुड ओल्ड बस स्टैंड, चास झारखंड
श्री अनिल खण्डेलवाल मे. सावित्री टेक्सटाईल्स हनुमान मार्केट, चास बोकारो, झारखंड	**श्री अमन सिंघानिया** मे. सिंघानिया कैटेटर एण्ड इवेन्ट, इस्पात कालोनी, चास, झारखंड	**श्री अशोक कुमार जगनानी** में शांती एजेन्सी, मेन रोड चास, बोकारो, झारखंड	**श्री मनीष अग्रवाल** मे. अग्रसेन पथ रामगढ़ कैंट, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** मे. न्यू बुधिया इलेक्ट्रीक रामगढ़ कैंट, झारखंड
श्री महाबीर प्रसाद अग्रवाल मे. होटल गणपति इन रांची रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल** वृंदावन लेन, रतन जी रोड धनबाद, झारखंड	**श्री सुमित कुमार सुल्तानियाँ** श्री राम काम्पलेक्स दुर्गा मंदिर रोड, हीरापुर धनवाद, झारखंड	**श्री राजेश कुमार बंसल** करकंड बाजार कुशुंडा, धनबाद, झारखंड	**डॉ. दिनेश कुमार गिनदोरिया** मे. शक्ति नर्सिंग होम धनबाद, झारखंड
श्री दिनाथा चौधरी गायत्री मेंशन, मेन रोड कटरासगढ़, धनबाद झारखंड	**डॉ. विश्वनाथ चौधरी** मे. चौधरी नर्सिंग होम कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री गोपाल अग्रवाल** रतन जी रोड, पुराना बाजार धनबाद, झारखंड	**श्री प्रदीप कुमार सतमालिका** करकंड बाजार, धनबाद झारखंड	**श्री नर्सिंग कुमार अग्रवाल** मे. श्याम स्टोर करकंड बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री संजय कुमार अग्रवाल करकंड बाजार, कुशुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री मनीष अग्रवाल** ओ-४१६, द्वितीय तल लूबी सर्कुलर रोड, धनबाद झारखंड	**श्री संतोष कुमार सुल्तानियाँ** श्री राम काम्पलेक्स हीरापुर, धनबाद, झारखंड	**डॉ. निर्मल ड्रोलिया** मे. पाटलीपुत्रा नर्सिंग होम धनबाद, झारखंड	**श्री रूपेश कुमार बंसल** जी. टी. रोड, गोविन्दपुर धनबाद, झारखंड
श्री प्रमोद कुमार रितोलियाँ रतन जी रोड, पुराना बाजार धनबाद, झारखंड	**श्री मदन लाल अग्रवाल** राज कमल मेंशन बैंक रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री नंद किशोर संवरिया** सिटी सेन्टर, एल. सी. रोड धनबाद, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार अग्रवाल** मे. गोपाल एजेन्सी राज हस्पिटल रोड, झरिया झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** अकंधा भवन, मिट्ठु रोड बैंक रोड, धनबाद, झारखंड
श्री सुमत कुमार जैन मे. जीवनी इंजिनयरिंग कार्पोरेशन, जी.टी. रोड अपर बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री निरज कुमार बूबना** मे. जय गुरु सर्विस स्टेशन गोविन्दपूर, जी.टी. रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कुमार लोढ़ा** गोविन्दपूर, धनबाद झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मे. मेगा डेवलपर्स, नवाडीह, धनबाद, झारखंड	**श्री नंदकिशोर बगड़िया** मे. श्री प्रभुजी ट्रेडर्स धनसर, धनबाद, झारखंड
श्री संजय कुमार केजरीवाल पुरानी बाजार, गुदरी रोड मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री ब्रिजेश कुमार चौधरी** द्वारा - विवेक एण्ड संस बालुघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री बिजय कुमार केजरीवाल** द्वारा - काकाजी का पापड़ बालुघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री राकेश कुमार शर्मा** नया एरिया, बालुघाट मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री विकाश कुमार पोद्दार** रोड नं.-४, न्यु कालोनी, बालुघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री सुरज लाल सिंघानिया गढ़पूरा, बेगूसराय बिहार	**श्री विकाश कुमार सिंघानिया** मे. श्याम ट्रेडर्स गढ़पूरा, बेगूसराय, बिहार	**श्री अशोक कुमार सिंघानियाँ** मे. बजरंग वस्त्रालय गढ़पूरा, बेगूसराय, बिहार	**श्री संदीप कुमार सिंघानियाँ** गढ़पूरा, बेगूसराय बिहार	**श्री राजेश कुमार सिंघानियाँ** मे. सिंघानियाँ मेडिको गढ़पूरा, बेगूसराय, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री संतोष कुमार सिंघानियाँ मे. लव कुश वस्त्रालय गढ़पूरा, बेगूसराय, बिहार	**श्री संजय कुमार बजाज** गढ़पूरा, बेगूसराय बिहार	**श्री नारायण कुमार सिंघानियाँ** गढ़पूरा, बेगूसराय बिहार	**श्री राम गोपाल अग्रवाल** ए. टी. रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री दिलीप कुमार लोहिया** राजेन्द्र नगर रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार
श्री विवेक जगनानी राजेन्द्र रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री विजय चण्डुका** मे. माँ भवानी गैसेज राजेन्द्र नगर, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री जय कृष्ण लोहारूका** राजेन्द्र रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री संतोष गोयनका** मे. चुनरी वस्त्रालय फुलवरिया बाजार, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री अमर नाथ मुरारका** मे. नील कमल वस्त्रालय सोकहरा, बरौनी-१ बेगूसराय, बिहार
श्री संदीप मुरारका दीन दयाल रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री गजानंद शर्मा** राजेन्द्र रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री आनंद जगनानी** मे. अग्रवाल इलेक्ट्रीकल राजेन्द्र रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री पवन कुमार लोहारुका** मे. हिन्दुस्तान मेडिसिन प्रा. लि. बरौनी, बेगूसराय, बिहार	**श्री विवेक कुमार मुरारका** झारखंड
श्री कमल किशोर शर्मा द्वारा – गोपाल आयुर्वेद भवन, बरौनी, बेगूसराय बिहार	**श्री रमेश कुमार रामुका** मे. जे. एम. डी. फर्मास्युटि कल्स, ए.टी. रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री बिजय कुमार शर्मा** दीन दयाल रोड, फुलवरिया बरौनी, बेगूसराय, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर मुरारका** दीन दयाल रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री कुमार गौरव** मे. आंचल (क्लाथ मर्चेंट) फुलबरिया बाजार, बरौनी बेगूसराय, बिहार
श्री राम गोपाल मुरारका डुँगरासीदास, छोटेलाल सोधरा, बरौनी, बेगूसराय, बिहार	**श्री दिलीप कुमार मुरारका** मे. श्री बिहारीजी कमर्शियल बरौनी चौक, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार मस्करा** दीन दयाल रोड, (शोखरा-१) बरौनी, बेगूसराय, बिहार	**श्री गोविन्द गोयनका** मे. आनंद मेडिकल एजेन्सी फूलबरिया बाजार, बरौनी बेगूसराय, बिहार	**श्री अशोक मुरारका** मे. गौरव परिधान दीन दयाल रोड, बरौनी बेगूसराय, बिहार
श्री श्रवण कुमार अग्रवाल द्वारा - दीपक शर्मा गांधी चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री महावीर प्रसाद शर्मा** गांधी चौक, रानी सति गली दरभंगा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश खेड़िया** नीम चौक, लाल बाग दरभंगा, बिहार	**श्री अभिनय खेड़िया** नीम चौक, बांगलागढ़ दरभंगा, बिहार	**श्रीमती वैजयन्तीदेवी खेड़िया** बंगलागढ़, नीम चौक, लालबाग, दरभंगा, बिहार
श्री प्रदीप कुमार पंसारी काबरा घाट, मिश्रीगंज दरभंगा, बिहार	**श्री शिव कुमार लठ** मे. श्री गणेश प्लाई महाराजीपूल, दरभंगा, बिहार	**श्री आयुष सरावगी** पंचनाथ मंदिर (नार्थ) राम चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री राजेश कुमार चौधरी** मे. गणपति स्टोर, गांधी चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री पंकज कुमार बोहरा** मे. मदन लाल एण्ड ब्रदर्स कटकी बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री संजय कुमार शर्मा गांधी चौक, रानी सति गली दरभंगा, बिहार	**श्री सुरेश कुमार पंसारी** गुल्लीबाड़ी, नाका-४ के नजदीक, गुदरी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री केशव कृष्ण लाखोटिया** २०२, भारती हाउस बोरिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री अमित अग्रवाल** मे. मीरा ट्रेडर्स, सवेरा गली रक्सौल, बिहार	**श्री श्रवण कुमार सरावगी** मे. गणपति ट्रेडर्स मेन रोड, रक्सौल, बिहार
श्री राजेश कुमार अग्रवाल श्याम मंदिर, आर्यसमाज रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री कैलाश शर्मा** मे. जगदीश फैशन, कावेरी होटल, रक्सौल, बिहार	**श्री प्रभाकर खेतान** मे. खेतान एण्ड सेल्स मेन रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री रोही कुमार मित्तल** मे. दर्श इम्पोरियम, काबेरी होटल, रक्सौल, बिहार	**श्री मोहन कुमार अग्रवाल** मे. कृषि मेडीकल हाल मेन रोड, रक्सौल, बिहार
श्री नरेश कुमार मित्तल मे. रियल एजेन्सी, आर्या समाज रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. शिव मेडीकल एजेन्सी बैंक रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री अनीष अग्रवाल** मे. मीना ट्रेडर्स सवेरा गली, मेन रोड रक्सौल, बिहार	**श्री सज्जन कुमार चौधरी** सवेरा गली, मेन रोड रक्सौल, बिहार	**श्री राजेश अग्रवाल** मे. आंचल, मेन रोड रक्सौल, बिहार
श्री जगदीश अग्रवाल मे. सियाराम शाप बैंक रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री नारायण कुमार टेकरीवाल** मे. मार्ट कुमार टेकरीवाल नागा रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री विवेक कुमार स्वामी** मे. श्री सति ट्रेडर्स आश्रम रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री रवि कुमार शर्मा** आश्रम रोड, रक्सौल बिहार	**श्री राजू कुमार तुलस्यान** द्वारा - श्री मोहिनी इम्पेक्स मेन रोड, रक्सौल, बिहार
श्री रवि गोयल आश्रम रोड, रक्सौल पूर्वी चम्पारण, बिहार	**श्री विजय अग्रवाल** मे. न्यु फैशन सेन्टर लोहापट्टी, रक्सौल, बिहार	**श्री भूवनेश स्वामी** कोईरिया टोला, रक्सौल बिहार	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** खेतान गली, मेन रोड रक्सौल, बिहार	**श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल** मे. किशन सेवा केन्द्र कोईरिया टोला, रक्सौल बिहार
श्री गणेश कुमार अग्रवाल नाहर चौक, मेन रोड रक्सौल, बिहार	**श्री बीभा कुमार रूँगटा** अमरदीप, लोहापट्टी रोड रक्सौल, बिहार	**श्री संजीत गदिया** मे. सति फर्मा, बैंक रोड रक्सौल, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** आश्रम रोड, रक्सौल बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मे. हनुमान सिन्थेटिक्स भरतिया मार्केट, मेन रोड रक्सौल, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री दीपक कुमार सरावगी ४१४, कैलाश अपार्टमेंट कंकड़बाग, पटना, बिहार	**श्री विकास खेतान** राधा देवी गर्ल्स हाई स्कूल के नजदीक, एफ.सी.आई गोदाम, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुमित कुमार केजरीवाल** द्वारा - काकाजी का पापड़ बालूघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अशोक कुमार खेतान** मे. गोविन्द ट्रेडिंग कं. सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री बिजय कुमार सराफ** मे. आर. बी. एजेन्सी गोला रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री विवेकानंद केजरीवाल मे. गणेश टी. कं., गोला रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री संतोष टिबड़ेवाल** मे. कोनिका अम्ब्रेला, साहु रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**डॉ. गोपाल कृष्ण मिश्रा** मे. मिश्रा आयुर्वेदिक भवन भागलपुर, बिहार	**श्री नवल भीवानीवाला** मे. उज्ज्वल बिस्कुट (प्रा.) लि., सखीचंद कटरा भागलपुर, बिहार	**श्रीमती किशोरी भीवानीवाला** मे. उज्ज्वल बिस्कुट (प्रा.) लि., सखीचंद कटरा भागलपुर, बिहार
श्री उज्ज्वल भीवानीवाला मे. उज्ज्वल बिस्कुट (प्रा.) लि., सखीचंद कटरा भागलपुर, बिहार	**श्री नितेश सोंथालिया** मारवाड़ी टोला लेन भागलपुर, बिहार	**श्री साही गोयनका** मे. एस.जी.एस. बिग माल चित्रा टोली रोड, आरा बिहार	**श्री कमल किशोर बेरिया** मे. नागरमल शिवनारायण एण्ड संस, शीशमहल चौक, आरा, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार पचेरिया** मे. खेतान मेडीकल हाल मेन रोड, बतरहा, सहरसा बिहार
श्री अजीत कुमार दहलान दहलान चौक, सहरसा बिहार	**श्री दिलीप कुमार दहलान** मे. कृष्णा क्लाथ स्टोर दहलान चौक, सहरसा, बिहार	**श्री मनोज कुमार गोयल** मे. सागर सेनेटरी एण्ड् मार्बल्स, गायत्री कम्पलेक्स, सहरसा, बिहार	**श्री सुमित अग्रवाल** द्वारा - समाज कुंज गंगजाला, सहरसा, बिहार	**श्री रतन कुमार अग्रवाल** मे. नेहा वस्त्रालय गंगजाला चौक, सहरसा बिहार
श्री सुमित अग्रवाल "सोमु" मे. अभिषेक ट्रेडिंग गंगजाला चौक, वार्ड नं. १८ सहरसा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** मे. राधिका गंगजाला चौक, सहरसा बिहार	**श्री बिष्णु कुमार दहलान** मे. बर्तन बासन, दहलान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री निखील दहलान** मे. गीतांजली, दहलान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री बिपुल दहलान** द्वारा - सज्जन बर्तन भण्डार दहलान रोड, सहरसा, बिहार
श्री उमेश दहलान दहलान चौक, सहरसा बिहार	**श्री रतन कुमार दहलान** दहलान चौक, सहरसा बिहार	**श्री बिजय कुमार सेक्सरिया** मे. नवी बुटिक, श्रीरामपथ रक्सौल, बिहार	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** मे. आशिर्वाद ट्रेडिंग रामजी चौक, बैंक रोड रक्सौल, बिहार	**श्री नितीन अग्रवाल** मे. विनोद रोडवेज मेन रोड, रक्सौल, बिहार
श्री केशव कुमार भरतिया भरतिया कालोनी, रक्सौल बिहार	**श्री राज कुमार डालमिया** बैंक रोड, (शिवम ब्रास) वार्ड नं.-१२, रक्सौल, बिहार	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** मे. श्री कुंज बुटिक, आश्रम रोड, आर्य समाज गली, रक्सौल, बिहार	**श्री रामकिशन अग्रवाल** नागा रोड, रक्सौल बिहार	**श्री सचिन कुमार पंसारी** मे. प्रदीप आटो सर्विस सिमराही बाजार, सुपौल बिहार
श्रीमती शिल्पा पंसारी मे. प्रदीप आटो सर्विस सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार	**श्री चंदन पंसारी** मे. नवनीत इंटरप्राइजेज स्टेशन रोड, जियाराम राघोपुर, सुपौल, बिहार	**श्री अमित कुमार पंसारी** मे. पंसारी किराना स्टोर सुपौल, बिहार	**श्री गोपाल कुमार पंसारी** मे. रानी सति इम्पोरियम सुपौल, बिहार	**श्री सुनील पंसारी** मे. पंसारी किराना स्टोर सुपौल, बिहार
श्री संगीत अग्रवाल मे. पार्थ आटो, न्यु मार्केट सुपौल, बिहार	**श्री अंकित चंद** सिमराही बाजार सुपौल, बिहार	**श्री विनय कुमार चांद** मे. दुर्गा स्पेयर्स, सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार	**श्री विवेक चांद** स्टेशन रोड, सिमराही बाजार सुपौल, बिहार	**श्री महाबीर अग्रवाल** मे. निहारीका ड्रेसेज सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार
श्रीमती बबीता दहलान मे. दहलान ट्रेक्टर, सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार	**श्री रंजीत कुमार पंसारी** सिमराही बाजार, सुपौल बिहार	**श्री यशवंत कुमार माधोगढ़ीया** द्वारा - ज्योति ब्रिक्स सिमराही बाजार, वार्ड नं-६ सुपौल, बिहार	**श्री सोनु कुमार पंसारी** वार्ड नं.-५, सिमराही बाजार, राघोपुर, सुपौल, बिहार	**श्री सचिन कुमार माधोगढ़ीया** मे. सचिन ब्रिक्स, सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार
श्री संजीव कुमार माधोगढ़ीया मे. सचिन ब्रिक्स, सिमराही बाजार, सुपौल, बिहार	**श्रीमती बबीता शर्मा** त्रिवेणीगंज, सुपौल बिहार	**श्री अशोक शर्मा** त्रिवेणीगंज, सुपौल बिहार	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** वंशी चौक रोड, त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री दीपक कुमार चोखानी** ओम प्रकाश दीपक कुमार त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री कमल कुमार अग्रवाल मेला रोड, जुगल चौक त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** पो. त्रिवेणीगंज, सुपौल बिहार	**श्री अंकित भरतिया** मे. न्यु ए. के. हार्डवेयर एम. जी. रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** द्वारा – जगदीश अग्रवाल मेला रोड, त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** एम. जी. रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार
श्री अजय अग्रवाल एम. जी. रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार	**श्रीमती सुशीला देवी** मे. श्री श्याम इलेक्ट्रोनिक्स मेन रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार	**श्रीमती लक्ष्मी देवी** मे. श्री श्याम इलेक्ट्रोनिक्स मेन रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार	**श्री ललीत कुमार पंसारी** मे. श्री श्याम इलेक्ट्रोनिक्स मेन रोड, त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** गर्ल्स हाई स्कूल रोड त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री गोपी कृष्ण पोद्दार रानीगंज, गनेरिया गया, बिहार	**श्री मुरारी लाल शर्मा** कन्होरी गली, रानीगंज गया, बिहार	**श्री उज्ज्वल पोद्दार** रानीगंज होलसेल बाजार मेन रोड, रानीगंज, गया, बिहार	**श्री संजय पोद्दार** मे. पोद्दार क्लॉथ स्ट्रीट रानीगंज, ईमामगंज, गया, बिहार	**श्री सुरेश प्रसाद केडिया** रानीगंज, ईमामगंज गया, बिहार
श्री मोती लाल साँवरीया अपर बाजार, रानीगंज गया, बिहार	**श्री विवेक पुरिया** जुगसलाई, धर्मशाला रोड जमशेदपुर, झारखंड	**श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल** एच नं. १९५, राम टेकरी रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राजेश गोयल** कृष्णा विल्ला, जुगसलाई जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती ममता मुरारका** आर. रोड, फ्लैट नं.-२०६ जमशेदपुर, झारखंड
श्री राजेश जालान ५ई, कृष्णा अपार्टमेंट रंगाटंड, धनबाद, झारखंड	**श्री कृष्णा कुमार लुहारुका** ११०, सिटी सेन्टर, एल. सी. रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रियम गोयनका** लुहारुका हाउस, नाग नगर दहिया, धनबाद, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार गोपालका** बसेरा काम्पलेक्स, अशोक नगर धनसर, धनबाद, झारखंड	**श्री आशिष बजाज** मे. शारदा क्लिनिक हाऊसिंग कालोनी, धनबाद, झारखंड
श्री अमित झुनझुनवाला सोनापट्टी, झरिया, धनबाद झारखंड	**श्रीमती नेहा बजाज** मे. शारदा क्लिनिक, हाउसिंग कालोनी, धनबाद, झारखंड	**डॉ. कैलाश प्रसाद** मे. शारदा क्लिनिक हाउसिंग कालोनी, धनवाद, झाखंड	**श्री दीपक अग्रवाल** मे. रीता क्लाथ स्टोर कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री नितीन केडिया** द्वारा – जय श्री दुर्गा कन्द्रा, गोविन्दपुर, झारखंड
श्री संजय कुमार पटवारी द्वारा - श्री आर.एस. पटवारी, महुदा बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री चंचल गोयल** ३०३, ओजोन सेन्टर अशोक नगर, धनबाद झारखंड	**श्री विनय कुमार अग्रवाल** करेसरिया सेन्टर, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री बिहारी लाल सोनी** ८०५, उर्मिला टावर, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**डॉ. लोकेश कुमार जालान** मे. नयनदीप आई हास्पिटल गोविन्दपुर, धनबाद, झारखंड
श्री योगेन्द्र कुमार तुलस्यान १२०, शांति भवन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री सोहन कुमार साह** ५२१, सिटी सेन्टर, तीसरा तल, एल.सी. रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल अग्रवाल** राजगंज रोड, कटरास धनबाद, झारखंड	**श्री अशोक कुमार चौधरी** द्वारा - चौधरी मेडीको कटरासगढ़, धनबाद झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, महुदा बाजार धनबाद, झारखंड
श्री अनुभव कुमार कानोड़िया कटरास रोड, बैंक मोड़ धनबाद, झारखंड	**श्री गौरी शंकर अग्रवाल** मे. डायमंड इंजिनियरिंग तीसरा तल, बेकरबंद धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. मित्तल टेक्नोपैक प्रा. लि. तीसरा तल, ग्रेवाल कालोनी धनबाद, झारखंड	**श्री रितेश कुमार अग्रवाल** धनबाद, गोविन्दपुर मेन रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री विकाश कुमार तुलस्यान** श्री राम प्लाजा, शाप नं.- ३१२, तीसरा तल धनबाद, झारखंड
श्री प्रभाष कुमार साह कटरासगढ़, धनबाद झारखंड	**श्री गोपाल चौधरी** मे. गोपाल भण्डार, राजगंज रोड, कटरासगढ़, धनबाद झारखंड	**श्री रोहित कुमार चौधरी** शक्ति प्लाजा, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** तीनदर्शनी पथ, कटरास धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील कुमार चौधरी** मे. दुर्गा मेडीको, कटरासगढ़ धनबाद, झारखंड
श्री कृष्ण कुमार चौधरी मे. जय बालाजी आयुर्वेद कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री सत्यनारायण भोजगढ़िया** मे. सांई ज्वेलर्स, सोनापट्टी, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल टेक्सटाईल मेन रोड, कटरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री संतोष कुमार भोजगढ़िया** टेलीफोन एक्सचेंज रोड धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल गुप्ता** ४८४, अशोक भवन टेलिफोन रोड, धनबाद, झारखंड
श्री संतोष कुमार गुप्ता मे. के ए एस जी एण्ड कं. (सी.ए.) लक्ष्मी कम्पलेक्स, शास्त्री नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री शम्भु प्रसाद अग्रवाल** मे. न्यु मदन मेडीकल सरायढ़ेला, मेन रोड धनबाद, झारखंड	**श्री रोहित कुमार गुप्ता** मे. पोद्दार इंटरप्राईजेज मेन रोड, सरायढ़ेला, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** सुनयना मेंशन पंचगढ़ी मार्केट, कटरासगढ़, झारखंड	**श्री मनोज खेमका** २१३, श्रीराम प्लाजा बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड
श्री कृष्ण कुमार गोयल मिट्ठु रोड कटरा, बैंक मोड़ धनबाद, झारखंड	**श्री संजय गोयल** मनोरमा नगर, हीरापुर धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज कुमार चौधरी** ३३५-३३७, तीसरा तल आशियान ट्रेड सेन्टर जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गोपाल तुलस्यान** श्री हरि, ५६/६७, कानू कोठी, कानपुर, यू.पी.	**श्री नारायण खेमका** मे. गोविन्द वस्त्रालय गोदौलिया, वाराणसी, यू.पी.
श्री पवन माहेश्वरी मे. पी.के. माल एजेन्सी जी.टी. रोड, चाँदौलिया, यू. पी.	**श्रीमती शारदा तोदी** २१६, रवि नगर चाँदौलिया, यू. पी.	**श्रीमती अनामिका मित्तल** ३८३/ए, रवि नगर डी डी यू नगर, चाँदौलिया यू. पी.	**श्री दीपक कुमार मित्तल** मे. गीता इंटरप्राईजेज न्यु पंजाब, धर्मकाँटा चाँदौलिया, यू. पी.	**श्री पुरुषोत्तम बाबू (टेलर)** सी/१, चित्रकुट वाटिका कैलाशपुरी, चाँदौलिया, यू. पी.
श्री अशोक केडिया के-१८, अन्ना नगर ईस्ट चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री जगदीश प्रसाद शर्मा** संकल्प नं. - ११ वृंदावन स्ट्रीट, चेन्नई तमिलनाडू	**श्री अशोक कुमार जे मुँधड़ा** ९, थोलासिंघम स्ट्रीट सॉकारपेट, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री गोपाल अग्रवाल** रेनबो पैराडाइज अपार्टमेंट चौथा लिंक रोड, चेन्नई तमिलनाडू	**श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल** एसी-१२४, शांती कालोनी मेन रोड, अन्ना नगर चेन्नई, तमिलनाडू

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री महेश कुमार अग्रवाल माउंट चेम्बर्स बिल्डिंग डोर नं.-डी, द्वितीय तल चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री अशोक कुमार सिंघानिया** डिब्रुगढ़ असम	**श्री अशोक कुमार धानुका** डिब्रुगढ़ असम	**श्री बिकास कुमार धानुका** हाउस नं.-१४० झालुकापाड़ा रोड डिब्रुगढ़, असम	**श्री बिश्वनाथ बजाज** डिब्रुगढ़ असम
श्री चन्द्र प्रकाश गाड़ोदिया मे. बिलासराय भगवानदास एण्ड कं., नलियापुल, डिब्रुगढ़, असम	**श्री जेठमल बंग** डिब्रुगढ़ असम	**श्री कैलाश कुमार धानुका** डिब्रुगढ़ असम	**श्री महावीर तोषनीवाल** मे. श्री हनुमान टेक्सटाईल भगवान भवन, डिब्रुगढ़ असम	**श्री महेन्द्र केडिया** मे. केडिया फ्लावर मिल मारवाड़ी पट्टी, डिब्रुगढ़ असम
श्री महेश कुमार जैन डिब्रुगढ़ असम	**श्री नवीन बिरमीवाल** बिल्ड इंडिया रोड, ज्योती नगर, डिब्रुगढ़, असम	**श्री नवल किशोर चौधरी** मे. कामरूप उद्योग मैनकोटा, डिब्रुगढ़, असम	**श्री पवन कुमार गाड़ोदिया** मे. विनय इंटरप्राइजेज हनुमाण सिंघानिया पथ, डिब्रुगढ़, असम	**श्री राधेश्याम मित्तल** डिब्रुगढ़ असम
श्री राज कुमार अग्रवाल महालया रोड, डिब्रुगढ़ असम	**श्री राज कुमार केजरीवाल** डिब्रुगढ़ असम	**श्री राज कुमार केसान** मे. सिद्धी विनायक इलेक्ट्रोनिक्स, झलुकपाड़ा, डिब्रुगढ़, असम	**श्री राज कुमार तोदी** डिब्रुगढ़ असम	**श्री रमेश कुमार बजाज** डिब्रुगढ़ असम
श्री संजय जालान मे. रीडर्स इम्पोरियम डिब्रुगढ़, असम	**श्री संजय केजरीवाल** डिब्रुगढ़ असम	**श्री सुभाष गाड़ोदिया** मे. सौरभ किड्स सेन्टर मास्टर पाड़ा, डिब्रुगढ़ असम	**श्री सुधीर कुमार अग्रवाल** मे. सराफ टायर्स, एच. एल. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्रीमती सुमन शर्मा** मे. सती सेल्युलर बाबुलाल पोद्दार पथ डिब्रुगढ़, असम
श्री सुनील जालान मे. रीडर्स इम्पोरियम डिब्रुगढ़, असम	**श्री सुरेश बजाज** डिब्रुगढ़ असम	**श्री विजय खेमानी** डिब्रुगढ़ असम	**श्री विकास मोदी** डिब्रुगढ़ असम	**श्री विशाल धानुका** हाउस नं.-१४० झलुकपाड़ा रोड, डिब्रुगढ़, असम (१६०)
श्री मनोज कुमार चिरानियाँ टी.आर. फुकन रोड डिब्रुगढ़, असम	**श्री राजन लोहिया** झाबरमल विनोद कुमार कोल रोड, डिब्रुगढ़ असम	**श्री रमेश कुमार सहरिया** हिमालयान हेरिटेज, रुदाली पथ, डिब्रुगढ़, असम	**श्री विजय कुमार सुरेका** ठाकुर बाड़ी रोड, न्यु मार्केट, डिब्रुगढ़, असम	**श्री बसंत गाड़ोदिया** द्वारा - महादेव रामगोपाल एच. एस. रोड, डिब्रुगढ़, असम
श्री शंकर लाल मुरारका न्यु मार्केट, डिब्रुगढ़, असम	**श्री रवि मुरारका** मे. किड्स प्वाइंट न्यु मार्केट, डिब्रुगढ़, असम	**श्री महावीर प्रसाद वर्मा** मे. वर्मा क्रोकर्स अप्लायंसेस एच.एस. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्री निरंजन बगड़िया** गाड़ोदिया शेड, ज्योती नगर डिब्रुगढ़, असम	**श्री पूनीत कुमार बगड़िया** गाड़ोदिया रोड, ज्योती नगर डिब्रुगढ़, असम
श्री सांवरमल बगड़िया बी.सी. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्री मुकेश अग्रवाल** द्वारा - कैलाश अग्रवाल दत्ता बागान, डिब्रुगढ़, असम	**श्री सुरेश अग्रवाल (केडिया)** मे. अंकुर, झलुकपाड़ा डिब्रुगढ़, असम	**श्री मनोहर वर्मा** मे. अनुराग होटल, एच. एस. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्री राकेश कुमार गाड़ोदिया** मे. एल.एन.जी. गाड़ोदिया एण्ड कं., आर.के.बी.पथ, डिब्रुगढ़, असम
श्रीमती पुष्पा बुकलसरिया मे. असम आईसक्रीम कं. न्यु मार्केट, डिब्रुगढ़, असम	**श्री डुंगरमल अग्रवाल** भगवती भवन, के. सी. गोगोई पथ, डिब्रुगढ़, असम	**श्री कृष्ण कुमार अजीतसरिया** मे. कमल इंटरप्राइजेज, एच. एस. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्री ज्योती पी. कनोई** सेन्ट्रल चौकीडिंगघी डिब्रुगढ़, असम	**श्री सतीश बगड़िया** ग्राहम बाजार, ए.टी. रोड, डिब्रुगढ़, असम
श्री पंकज कुमार अग्रवाला मे. पंकट भूत एण्ड कं. रोटरी रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्रीमती बंदना जैन** द्वारा - चम्पालाल सरावगी एण्ड कं., स्टेशन रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती बिमला देवी अग्रवाल** मे. निर्मल इण्डस्ट्रीज बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती इस्मिता शर्मा** मे. आर्या कलेक्शन बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती गीता धिरासरिया** मे. अमित एजेन्सी बरपेटा रोड, असम
श्रीमती किरण सोनी सुकान्त नगर, कोलाभंगा बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती कुसुम बंग** द्वारा - पन्ना लाल सुराना मिशन रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती कुसुम मोरे** द्वारा-महालक्ष्मी ऑटोमोबाईल्स शिमलागुड़ी, बरपेटा रोड, असम	**श्री ललिता देवी झुनझुनवाला** महावीर वस्त्रालय, एन. कुमार, बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती ममता जैन** मे. चम्पालाल सरावगी एण्ड कं., स्टेशन रोड, बरपेटा रोड, असम
श्रीमती मंजू देवी अग्रवाल मे. तुलस्यान इलेक्ट्रीकल्स बस स्टैंड के नजदीक, बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती मृदुला माहेश्वरी** मे. शारदा डिस्ट्रीब्युटर्स स्टेशन रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती पुष्पा देवी झुनझुनवाला** द्वारा - महेन्द्र स्टोर्स मेन रोड, वार्ड नं.-५ बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती राधा अग्रवाल** ग्लास हाउस, आमतल्ला बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती रमा देवी धिरासरिया** द्वारा - बनवारी लाल धिरासरिया, स्टेशन रोड बरपेटा रोड, असम

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती सबिता जैन द्वारा - कन्हैया लाल जैन वार्ड नं.-७, आर्यनक बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती सरला देवी शर्मा** मे. शर्मा संस कम्पुटेक आर्यनक, वार्ड नं.-७ बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती सरोज देवी अग्रवाल** बाबुपाड़ा, वार्ड नं.-७ बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती शशि बोथरा** द्वारा - मानिकचंद एण्ड संस, पटवारी मार्केट बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती शांति देवी शर्मा** मे. शर्मा ग्लास एजेन्सी आमतल्ला, बरपेटा रोड, असम
श्रीमती सीता देवी हरलालका हरलालका मिशन रोड बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती स्मिता धिरासरिया** मे. निशीका फर्निशड बरपेटा रोड, असम	**डॉ. सुमन अग्रवाल** आमतल्ला मेन रोड बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती सुमन जैन** मे. असम ऑटो एजेन्सी मिशन रोड, बरपेटा रोड असम	**श्रीमती सुनिता जैन** मे. शांति नाथ ट्रेडर्स स्टेशन रोड, बरपेटा रोड असम
श्रीमती तारा सोनी शुकान्त नगर, कोलाभंगा बरपेटा रोड, असम	**श्रीमती विजेता अग्रवाल** मे. पूजा हार्डवेयर स्टोर बरपेटा रोड, असम	**श्री पवन कुमार गाड़ोदिया** द्वारा - तोलाराम सुरजमल धिंग रोड, हैबरगांव, नगांव, असम	**श्री महावीर प्रसाद केजरीवाल** मे. नर्मदा ट्रेडिंग कं. हैबरगांव, नगांव, असम	**श्री ओम प्रकाश जाजोदिया** द्वारा - महावीर प्रसाद जगदीश प्रसाद, मारवाड़ी पट्टी, नगांव, असम
श्री पवन कुमार जाजोदिया मे. जाजोदिया सैनिटरी मारवाड़ी पट्टी, नगांव, असम	**श्री परमेश्वर बिहानी** मे. ब्रह्मपुत्रा इंटरप्राईज शांतिपुर कार्नर, हैबरगांव नगांव, असम	**श्री जगदीश प्रसाद गिनोदीया** द्वारा - चांदमल जगदीश प्रसाद, विमला बोरा रोड, ढ़ाका पट्टी, नगांव, असम	**श्री दिलीप कुमार शोभासरिया** द्वारा - मोहित इंटरनेशनल टूर एण्ड ट्रेवल्स, नगांव, असम	**श्री अजित कुमार माहेश्वरी** द्वारा - पूजो एग्रो, धिंग रोड हैबरगांव, नगांव, असम
श्री अजय मित्तल मे. असम मशीनरी स्टोर हैबरगांव, नगांव, असम	**श्री संतलाल बंका** द्वारा - नोरांगराई हरिकिशन धाका पट्टी, नगांव, असम	**श्री बिनोद कुमार खेतावत** मे. श्री खेतावत आयल मिल्स, नौखोवर रोड हैबरगांव, नगांव, असम	**श्री श्रीधर शर्मा** मे. शर्मा हार्डवेयर स्टोर्स मेन रोड, वार्ड नं.-५, बरपेटा रोड, असम	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मे. डी. प्रताप एण्ड कं. मेन रोड, वार्ड नं.-६ बरपेटा रोड, असम
श्री अशोक कुमार जैन मे. विशाल इंटरप्राईज बरपेटा रोड, असम	**श्री बनवारीलाल धिरासरिया** रेलवे स्टेशन के नजदीक बरपेटा रोड, असम	**श्री बासुदेव माहेश्वरी** मे. झुमरमल बासुदेव स्टेशन रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्री भैरू शर्मा** मे. माँ दुर्गा मिष्टान्न भण्डार पुलिस स्टेशन रोड के नजदीक, बरपेटा रोड, असम	**श्री बिजय कुमार बगेड़िया** मे. असम मशीनरी कं. मेन रोड, आमतल्ला बरपेटा रोड, असम
श्री कन्हैयालाल लालवानी मे. पुष्पराज प्रकाश चाँद कालीबाड़ी रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्री कन्हैयालाल जैन** तेरापंथ भवन के नजदीक बरपेटा रोड, असम	**श्री मंगतुराम गौरीसरिया** मे. आर. बी. मिल्स प्रा. लि. एच.पी. अग्रवाल रोड बरपेटा रोड, असम	**श्री मंगतुराम गोयल** मे. गोयल स्टोर, वार्ड नं.-६ बरपेटा रोड, असम	**श्री नागरमल शर्मा** मे. शर्मासंस, दुर्गा बाड़ी रोड, बरपेटा रोड, असम
श्री निर्मल कुमार कोजानी स्टेशन रोड, एक्सीस बैंक के नजदीक, बरपेटा रोड, असम	**श्री निर्मल मोरे** मे. एस. एन. मोरे एण्ड कं शिमलागुड़ी, बरपेटा रोड, असम	**श्री राधा किशन चौधरी** मे. श्री गोविन्द उद्योग प्रा. लि., बरपेटा रोड, असम	**श्री राम अवतार माहेश्वरी** मे. राजेश ट्रेडिंग कं. स्टेशन रोड, बरपेटा रोड, असम	**श्री रमेश कुमार सराफ** मे. जी.एस. इंटरप्राईज मेन रोड, वार्ड नं.-५ बरपेटा रोड, असम
श्री शालीभद्र आलू मे. माँ दुर्गा दान, शिमलगुड़ी, बरपेटा रोड, असम	**श्री संदीप कंकड़िया** मे. राकेश आटो इंटरप्राइज शिमलगुड़ी, बरपेटा रोड, असम	**श्री संजा कुमार जाजोदिया** द्वारा-महावीर प्रसाद जाजोदिया मेन रोड, आमतल्ला बरपेटा रोड, असम	**श्री संजीत पोद्दार** मे. मशीनरी सेन्टर, मेन रोड, वार्ड नं.-५ बरपेटा रोड, असम	**श्री शिव रतन राठी** मे. शिव रतन श्याम सुन्दर मेन रोड, बरपेटा रोड, असम
श्री सुनील जैन मे. मार्बल हाउस, शिमलागुड़ी बरपेटा रोड, असम	**श्री बिष्णु कुमार पाल्सनिया** मे. कमल वस्त्रालय, मेन रोड बरपेटा रोड, असम	**श्री घनश्याम राठी** मे. राठी हार्डवेयर बरपेटा रोड, असम	**श्री कमल शर्मा** मे. आर्या कलेक्शन, आर्यनक बरपेटा रोड, असम	**श्री महेन्द्र कुमार झुनझुनवाला** मे. महेन्द्र स्टोर्स, मेन रोड बरपेटा रोड, असम
श्री मनोहर लाल लड्ढा स्टेशन रोड, वार्ड नं.-५ बरपेटा रोड, असम	**श्री फूल चंद सेठी** प्रथम तल, मोंहिनी मार्केट बरपेटा रोड, असम	**श्री राम प्रसाद सोनी** शुकान्ता नगर, कालाभंगा वाराड नं.-३, बरपेटा रोड, असम	**श्री संजय धिरीया** मे. जाजोदिया ट्रेडिंग कं. शिमलागढ़ी, एन.एच.-३१ बरपेटा रोड, असम	**श्री अजय अग्रवाल** मे. कामाख्या स्टील ७, सिकरीया काम्पलेक्स अठगांव, गुवाहाटी, असम
श्री अजय कुमार अग्रवाल द्वारा - ए-वन टूल्स सेन्टर ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री अजय कुमार सरावगी** मे. रवि मोटर्स, शाप नं.-२२, श्रीमंता मार्केट, ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री अजय कुमार शर्मा** मे. रिलायबल कैरिंग, ए. आर. काम्पलेक्स, एस. जे. रोड, अठगांव, गुवाहाटी, असम	**श्री अजय मोरे** मे. जे.डी. इंटरप्राइज केदार रोड, फैंसी बाजार गुवाहाटी, असम	**श्री अमित जैन** मे. सेठी उद्योग एस. जे. रोड, अठगांव, गुवाहाटी, असम
श्री अमित कुमार बंसल मे. बालाजी ट्रेड सेन्टर १२, श्रीमंता मार्केट, ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री अमित कुमार जैन** मे. अमित इंटरप्राईजेज टी.आर.पी. रोड, फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री अनिल चौधरी** मे. शुभम एजेन्सी प्रा. लि. चौधरी काम्पलेक्स गुवाहाटी, असम	**श्री अंकित अग्रवाल** मे. जे.एल. इंटरप्राईज के.बी.काम्पलेक्स, अठगांव गुवाहाटी, असम	**श्री अनुज कुमार अग्रवाला** मे. सराफ फर्निचर १८ जी.एफ. सिकरीया काम्पलेक्स, गुवाहाटी, असम

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

CENTURYPLY®
CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
STARKE
NEW AGE PANELS
SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR
For any queries, SMS 'PLY' to 54646 or call us on 1800-2000-440 or give a missed call on 080-1000-5555
E-mail: kolkata@centuryply.com | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | Centuryply1986 | Visit us: www.centuryply.com

Dollar®
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 30th June 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by
infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com